आज शिक्षक दिवस

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-189 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 05 सितम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

भारत की अंतरिक्ष यात्रा में ऐतिहासिक छलांग

केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने जीएसएलवी-एफ17 के सफल लॉन्च पर जताया गर्व

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा जीएसएलवी-एफ 17/ईओएस-05 मिशन के सफल लॉन्च पर केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने गर्व जताते हुए देशवासियों को बधाई दी है। नेताओं ने कहा कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक शानदार उपलब्धि हासिल हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया, ईओएस-05 को ले जाने वाले जीएसएलवी-एफ17 का सफल लॉन्च भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और अहम कदम है। जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित भारत के पहले इमेजिंग सैटेलाइट के तौर पर, ईओएस-05 हमारी पृथ्वी-निरीक्षण क्षमताओं को मज़बूत करता है और हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम की बढ़ती

आधुनिकता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत लगातार एक प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष इकोसिस्टम बना रहा है। इसरो और भारतीय उद्योग के बीच बढ़ती साझेदारी इनोवेशन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है, स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत कर रही है और हमारी अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए नए रास्ते खोल रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक्स पर लिखा, भारत का अंतरिक्ष अभियान नई ऊंचाइयों पर। जीएसएलवी-एफ17/ईओएस-05 के सफल लॉन्च पर इसरो की टीम को बधाई। यह जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है, जो विज़िबल, इन्फ्रारेड, मल्टी-स्पेक्ट्रल और हाइपर-स्पेक्ट्रल बैंड में एडवांस्ड इमेजिंग के ज़रिए हमारी पृथ्वी की निगरानी करने की क्षमताओं को काफी बढ़ाएगा। यह उपलब्धि अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक में विश्व-स्तरीय क्षमताएं विकसित करने की दिशा में भारत की लगातार प्रगति को दर्शाती है।

जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण के स्वरूप में बाबा महाकाल का दिव्य शृंगार, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

उज्जैन (आरएनएस)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि, शुक्रवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

शुक्रवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य श्रृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए, पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा।

महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शहद, और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया।

नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के 9 दिन बाद सुरंग से जीवित निकाले गए 2 लोग

काठमाण्डू(ए.)। नेपाल और तिब्बत सीमा पर 26 अगस्त को आई भयावह बाढ़ के 9 दिन बाद शुक्रवार को रसुवा जिले में स्थित त्रिशुली 3ए जलविद्युत संयंत्र के सुरंग से 2 लोगों को बचाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बचाव दल ने सुरंग के अंदर से आवाजें सुनी थी, जिसके बाद टीम ने 2 लोगों को खोजा और उनको बाहर निकाला। सुरंग से और भी लोगों की आवाजें सुनी गई हैं। इलाके में राहत और बचाव अभियान जारी है।राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद श्रीराम नेउपाने ने फेसबुक पर जानकारी दी कि बचाए गए 2 श्रमिकों की पहचान संजय साह और कबीर महर्जन हैं।

साह मैकेनिकल फोरमैन और महर्जन मैकेनिकल सुपरवाइजर हैं। पहले साह को बाहर लाया गया, फिर महर्जन को निकाला गया। श्रीराम एक इंजीनियर होने के साथ ही बचाव दल में भी शामिल हैं।दो लोगों को सुरक्षित बचाने के बाद बचाव दल की उम्मीद जगी है।नेपाउने ने फेसबुक पर बताया कि बचावकर्मी जैसे-जैसे सुरंग में आगे बढ़ते गए, उन्होंने अंदर से एक से अधिक आवाजें सुनाई दे रही थी। इसके बाद बचाव अभियान तेज कर दिया गया।उन्होंने बताया, बचाव दल से सूचना मिली है कि अंदर से लोगों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। जब बचाव दल ने कहा, घबराएं नहीं, हम आपको बचा रहे हैं। तब अंदर से आवाज आई, ठीक है।

भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कष्ट सहे, लेकिन दूसरों के लिए प्रशस्त किया सुख-समृद्धि का रास्ता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीं जन्माष्टमी की मंगलकामनाएं

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के नाम से भारत की पहचान दुनियाभर में बनी है। उन्होंने

सृष्टि का उद्धार करने के लिए पृथ्वी पर मानव रूप में जन्म लिया। अपने जीवन में अनेकों कष्ट सहे और दुष्टों का संहार कर जनता के लिए सुख-समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया। भगवान श्रीकृष्ण ने कारागार में जन्म लेने के बाद अपनी बाल्यकाल की लीलाओं से आमजन के कई कष्टों को मुस्कुराते हुए दूर किया। उन्होंने विश्व को संदेश दिया कि हमें मुश्किल परिस्थितियों में धैर्य और संयम से काम लेना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें कष्टों को दूर कर मार्ग निकालने की प्रेरणा दी है। उज्जैन में महर्षि सांदीपनि के आश्रम में श्रीकृष्ण ने 64 कला और 14 विद्याएं सीखीं। श्रीकृष्ण के जीवन से हम सभी के लिए शिक्षा का महत्व प्रतिपादित होता है। सांदीपनि आश्रम में सुदामा जी के साथ उनकी मित्रता के प्रसंग हर काल में प्रासंगिक हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आख्यान पर्व के अवसर पर उपस्थित जनों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल्य स्वरूप लड्डू गोपाल का जलाभिषेक कर विधिवत पूजन-अर्चन किया।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों का बड़ा एक्शन, मुठभेड़ के दौरान एक आतंकी ढेर, AK-47 बरामद; दूसरा घेरे में फंसा

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शुक्रवार को आतंकवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। बडगाम के अशदार गली इलाके में भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान एक आतंकवादी को मार गिराया गया है। मारे गए आतंकी के पास से एक एके राइफल और भारी मात्रा में युद्ध में इस्तेमाल होने वाला गोला-बारूद बरामद हुआ है। वहीं, इलाके में छिपे दूसरे आतंकी को ढेर करने के लिए सुरक्षाबलों का कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन लगातार जारी है।

युसमर्ग के घने जंगलों से शुरू हुई थी घेराबंदी, आतंकियों ने की थी फायरिंग

सुरक्षा एजेंसियों को बीते दिनों युसमर्ग के ऊपरी जंगली इलाकों में आतंकियों की संदिग्ध मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इस इनपुट के आधार पर राष्ट्रीय

राइफल्स के जवानों ने तुरंत पूरे इलाके को घेरकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। तलाशी अभियान के दौरान जवान जैसे ही आगे बढ़े, एक पहाड़ी पर घने पेड़ों की आड़ में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक अंधाधुंध गोलियां बरसा दीं। जवानों ने बेहद सतर्कता बरतते हुए तुरंत अपनी पोजीशन संभाली और जवाबी फायरिंग शुरू कर दी।

अतिरिक्त टुकड़ियों ने की चौतरफा नाकेबंदी, दूसरे आतंकी की उल्टी गिनती शुरू

मुठभेड़ शुरू होते ही पास के सैन्य शिविरों से सुरक्षाबलों की अतिरिक्त टुकड़ियों को तुरंत मौके पर रवाना किया गया। जवानों ने पूरे अशदार गली क्षेत्र को चारों तरफ से सील कर आतंकियों के भागने के सभी संभावित रास्ते बंद कर दिए।

शुक्रवार को घेराबंदी सख्त होते ही जवानों ने एक आतंकी को ढेर कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, दूसरा आतंकी भी सुरक्षाबलों के मजबूत घेरे में फंसा हुआ है। इलाके में रुक-रुक कर फायरिंग जारी है और ऑपरेशन को अंजाम तक पहुंचाने के लिए सुरक्षाबल बेहद सधे कदमों से आगे बढ़ रहे हैं।

शिक्षक दिवस पर प्रदेश सरकार 33 उत्कृष्ट शिक्षकों को करेगी राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित

प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में किया जा रहा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

भोपाल (निप्र)। प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया

जा रहा है। यह समारोह राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में होगा। 5 सितंबर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। समारोह में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, जनजातीय कार्य लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन एवं भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह और खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग विशेष अतिथि होंगे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, विचित्र कुमार सिन्हाजी की पुण्य स्मृति समारोह आज

नर्मदा महाविद्यालय से सर्किट हाउस तक के मार्ग के नामकरण बोर्ड का होगा लोकापर्ण

नर्मदापुरम(निप्र)। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्यकार, मूर्धन्य पत्रकार, कवि, लेखक, चित्रकार, समाजसेवी स्व. श्री विचित्र कुमार सिन्हा जी की पुण्य स्मृति में 5 सितंबर शनिवार को दोपहर एक बजे नर्मदा महाविद्यालय परिसर में समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के संयोजक नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा ने बताया कि नर्मदा महाविद्यालय से सर्किट हाउस तक के मार्ग का नामकरण नगर पालिका द्वारा बीते वर्ष प्रस्तावित किया गया है। सिन्हा जी की पुण्य तिथि पर डॉ सीतासरन शर्मा के मुख्यातिथ्य, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव की अध्यक्षता, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे व कलेक्टर सोमेश मिश्रा के विशिष्ट आतिथ्य में नर्मदा महाविद्यालय के कान्फ्रेंस हाल में समारोह आयोजित होगा। तदोपरांत मार्ग के नामकरण के बोर्ड का

लोकापर्ण अतिथियों द्वारा किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष दैनिक क्षितिज किरण समूह के प्रधान संपादक केके सक्सेना, दैनिक क्षितिज किरण के निदेशक समिति सचिव विलक्षण सक्सेना, संरक्षक पं गिरिमोहन गुरू शास्त्री नित्यगोपाल कटारे, उपाध्यक्ष बलराम शर्मा अभय वर्मा शैलेंद्र नाथ श्रीवास्तव सांस्कृतिक सचिव विजय प्रकाश श्रीवास्तव, तुकाराम यादवेश, भानू प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज सोनी, पंकज शुक्ला, कोषाध्यक्ष श्रीमती भावना सक्सेना संगठन सचिव नंद किशोर यादव, शरीफ राइन, कमल चव्हाण कार्यकारिणी पीयूष शर्मा, महेंद्र यादव, कमलेश चौधरी, अजय निगम, सजेंद्र श्रीवास्तव, श्रीमती रश्मि शर्मा श्रीमती हिना अली, सुश्री खुशबू बूलचंदानी रामू चौहान, गजेंद्र राजपूत, प्रकाश शर्मा ने व समिति सदस्यों ने नागरिकों से समारोह में शामिल होने का आग्रह किया है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, लैंडिंग के बाद इंडिगो विमान खंभे से टकराया

श्रीनगर(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा होते-होते टल गया। नवी मुंबई से यात्रियों को लेकर श्रीनगर पहुंची इंडिगो की एक फ्लाइट लैंडिंग के बाद पार्किंग क्षेत्र में लगे खंभे से टकरा गई। टक्कर के वक्त विमान में दर्जनों यात्री और क्रू मेंबर्स सवार थे। गनीमत यह रही कि इस घटना में सभी यात्री और चालक दल के सदस्य पूरी तरह बाल-बाल बच गए ।

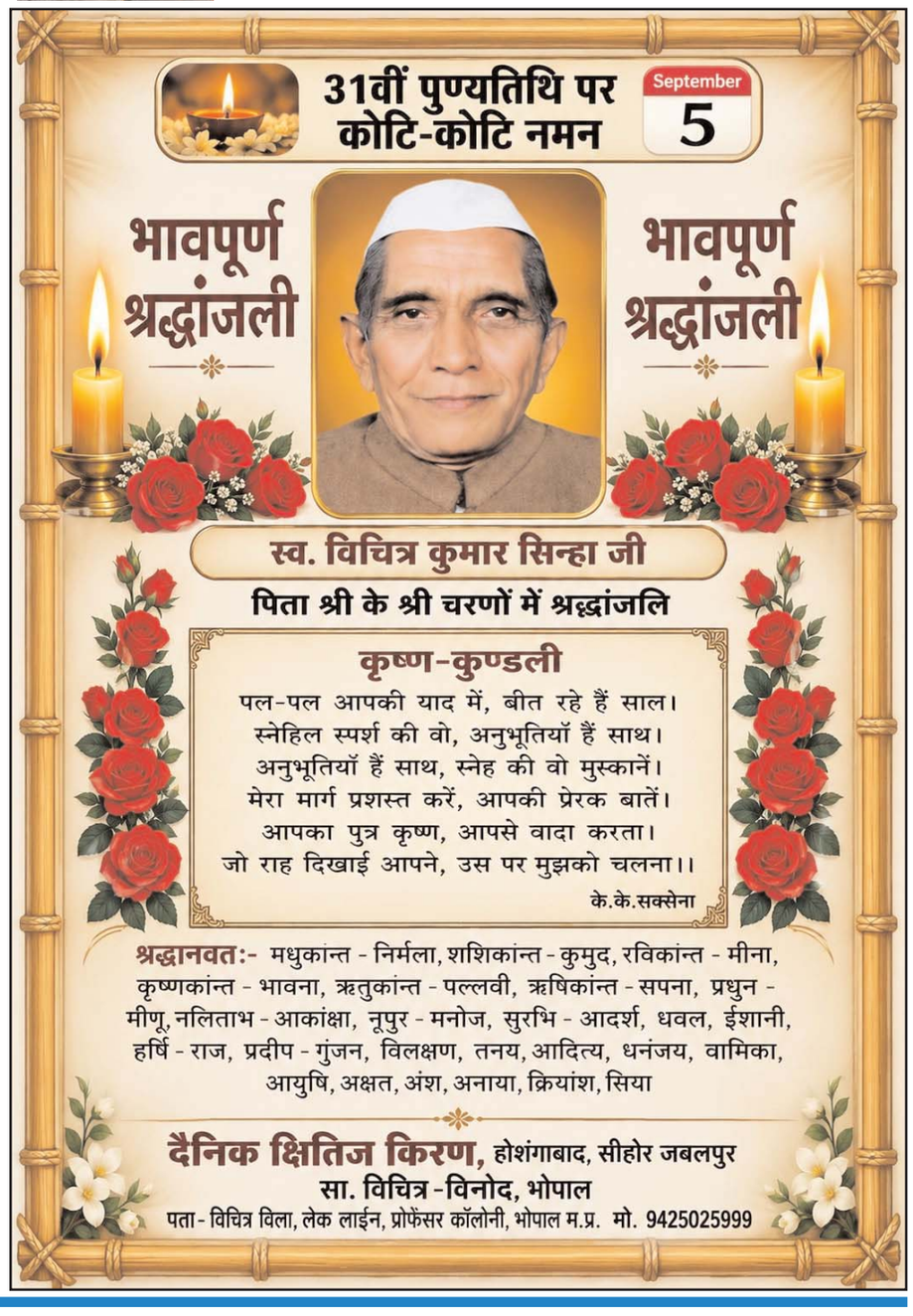

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, स्व. विचित्र कुमार सिन्हाजी की पुण्यतिथि पर विशेष

गुरुकुल में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, स्व. विचित्र कुमार सिन्हाजी, स्व. गौरीशंकर कौशलजी भी रुके थे

स्वतंत्रता आंदोलन में नर्मदांचल की रही है विशेष भूमिका

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। स्वतंत्रता संग्राम में नर्मदांचल का विशेष योगदान रहा है। नर्मदा तट पर स्थित प्राचीन गुरुकुल सक्रिय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के गतिविधियों के संचालन के प्रमुख केन्द्र रहा हैं। यह बात स्वयं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आजादी के बाद बताते रहे हैं। आजादी की लड़ाई में नर्मदा तट के अनेक स्थानों पर गुप्त मंत्रणाएं होती रही हैं। जिसमें गुरुकुल की भी अहम भूमिका रही है। अपने दिल में आजादी का जुनून पालने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के लिए मां नर्मदा के तट पर स्थित प्राचीन गुरूकुल एक सुरक्षित स्थान के रूप में रहा है। बताया जाता है कि यहां पर शहीद चंद्रशेखर आजाद तथा अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल ने भी रूककर आजादी के आंदोलन की रूपरेखा बनाई थी। इसी क्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकार साहित्यकार, चित्रकार स्व. विचित्र कुमार सिन्हाजी एवं उनके साथी पूर्व विधायक स्व. गौरीशंकर कौशलजी भी गुरूकुल में रूके थे। स्वतंत्रता सेनानी इस स्थान पर अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन के लिए गुप्त बैठकें किया करते थे। इसी प्रकार नर्मदा तट के चित्रगुप्त मंदिर जिसे गांधी भवन का नाम भी दिया गया था। हिरणखेड़ा सहित अनेक ऐसे स्थान हैं। जहां पर देश के मूर्धन्य साहित्यकार पं माखन लाल चतुर्वेदी, भवानी प्रसाद मिश्र का भी विशेष योगदान रहा है। गुरूकुल अध्यक्ष स्वामी ऋतस्पति परिव्राजक ने बताया था कि उन्हें कई लोंगों से यह जानकारी मिली थी कि इस गुरूकुल में अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आंदोलन के दौरान रात में रूकते रहे हैं। तथा आंदोलन के लिए गुप्त बैठकें किया करते थे।स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दैनिक क्षितिज किरण के संस्थापक स्व. सिन्हाजी के सुपुत्र दैनिक क्षितिज किरण के संपादक श्री केके सक्सेना ने बताया कि उनके पिताश्री स्व. सिन्हा जी के साथ उनके मित्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गौरीशंकर कौशलजी भी प्राचीन गुरूकुल में आजादी के आंदोलन के दौरान गुरूकुल में रहे हैं। अनेक बार गुरूकुल में आते जाते रहे हैं। यह जानकारी स्वयं श्री सिन्हाजी एवं श्री कौशजी से उन्हें प्राप्त हुई थी।

मध्यप्रदेश ने जीता है निवेशकों का दिल और विश्वास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देश के इलेक्ट्रिकल इको सिस्टम को ट्रांसफॉर्म करने में बड़ी भूमिका निभाएगी सीजी पॉवर की नई यूनिट मिलेगा 2 हजार लोगों को रोजगार

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार छोटे-बड़े सभी निवेशकों को पूरा सहयोग देने के लिए तैयार है। जहां निवेश है वहां रोजगार है। मध्यप्रदेश ने निवेशकों का दिल और विश्वास जीता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को सीहोर जिले के बड़ियाखेड़ी में क्रॉम्पटन ग्रीव्स की नई पॉवर ट्रांसफॉर्मर मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट के शुभारंभ और पहले ट्रांसफॉर्मर के रोल-आउट के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह देश में इस प्रकार की सबसे बड़ी इकाई है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन्माष्टमी के पावन अवसर पर लगभग 900 करोड़ की लागत से तैयार हुई सीजी पॉवर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस की नई पॉवर ट्रांसफॉर्मर फैक्ट्री का लोकार्पण इस सम्पूर्ण क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग अनुकूल नीतियों के कारण देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों में मध्यप्रदेश आकर उद्योग स्थापित करने की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित हो रही है। हमारा प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। प्रदेश में आ रहीं फैक्ट्रियों में केवल उत्पाद तैयार नहीं होता है, बल्कि इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि और राज्य की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश जिस गति से विकास की ओर अग्रसर है, उसी गति से मध्यप्रदेश भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। नए उद्योगों से स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार मिलने के साथ ही व्यापार एवं आर्थिक गतिविधियों का विस्तार होता है। औद्योगिक निवेश बढ़ने से प्रदेश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती है और सरकार को विकास एवं जनकल्याण के कार्यों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध होते हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश आए और इसका लाभ उद्योग, रोजगार के साथ समग्र विकास के रूप में मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पैशन, पोटेंशियल, पॉलिसी, परफॉर्मेंस और प्रोडक्शन मध्यप्रदेश की नई औद्योगिक पहचान बन गए हैं। उद्योग स्थापित करने वाले निवेशकों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार तत्पर है। राज्य में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है, जिससे औद्योगिक विकास के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि सीहोर में देश की सबसे बड़ी ट्रांसफॉर्मर निर्माण इकाई का लोकार्पण ऐतिहासिक अवसर है। देश के ऊर्जा एवं औद्योगिक इको सिस्टम को ट्रांसफॉर्म करने में इस उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि अब ''डाई से लेकर ट्रांसफॉर्मर तक का निर्माण सीहोर में'' होने लगा है, जो जिले में बढ़ते औद्योगिक विकास का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बरखेड़ी के राधा-कृष्ण मंदिर में बाल कन्हैया (लड्डू गोपाल) को अपने सिर पर रखा और चल समारोह में सहभागिता की।

मध्यप्रदेश पुलिस की सतर्कता और तकनीकी साक्ष्यों से धोखाधड़ी का पर्दाफाश

राजगढ़ पुलिस ने करेंसी एक्सचेंज के नाम धोखाधड़ी करने वाले 03 आरोपियों को किया गिरफ्तार 2 लाख 40 हजार रुपये नगद जब्त

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा नागरिकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी की घटनाओं में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में राजगढ़ जिले के थाना पचोर पुलिस ने करेंसी एक्सचेंज के नाम पर 05 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर लगभग 02 लाख 40 हजार रुपये नगद जब्त किए हैंपुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित तोलानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी सारंगपुर अरविन्द सिंह के पर्यवेक्षण में थाना पचोर पुलिस टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई।25 अगस्त को सारंगपुर निवासी फरियादी द्वारा थाना पचोर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि एक महिला एवं दो पुरुषों द्वारा पचोर मंडी में करेंसी एक्सचेंज के नाम पर छल-कपटपूर्वक उसके साथ 05 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना पचोर में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना पचोर पुलिस द्वारा आरोपियों की पतारसी एवं धोखाधड़ी की राशि की बरामदगी के लिए विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों एवं प्राप्त जानकारी के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई तथा मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भोपाल में देर रात कट मारने की बात पर बवालः ऑटो से बाइक टकराने के बाद भिड़े युवक, फिर भीड़ ने आधा दर्जन युवकों को पीटा

भोपाल (आरएनएस)। अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में 80 फीट रोड पर देर रात ऑटो और बाइक की टक्कर के बाद जमकर विवाद हो गया। बाइक सवार युवकों ने ऑटो चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने युवकों को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया। घटना का वीडियो अब सामने आया है। पुलिस के मुताबिक ऑटो चालक अदनान उर्फ अयान खान पर अभिषेक ठाकुर की बाइक को कट मारने का आरोप है। बाइक पर पीछे बैठे अभिषेक के दोस्त को चोट लगने के बाद विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि अभिषेक और उसके साथियों ने ऑटो चालक को सड़क पर रोककर मारपीट की। वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ऑटो चालक की गलती नहीं थी। युवकों ने रॉन्ग साइड से आकर ऑटो को टक्कर मारी थी। इसके बाद उन्होंने ऑटो चालक के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट होते देख आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए।

पहले ऑटो चालक को पीटा, फिर युवकों पर टूट पड़ी भीड़

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लोगों ने पहले युवकों को ऑटो चालक के साथ मारपीट करते देखा। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने युवकों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई शुरू कर दी। देखते ही देखते करीब आधा दर्जन युवकों के साथ मारपीट होने लगी।पुलिस का कहना है कि बाद में ऑटो चालक और युवकों के बीच दोबारा मारपीट हुई। हालांकि प्रत्यक्षदर्शियों ने ऑटो चालक के अपने साथियों को बुलाने की बात से इनकार किया है।

अशोका गार्डन थाना पुलिस के अनुसार, दोनों पक्ष थाने पहुंचे थे। हालांकि किसी ने भी एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने से इनकार कर दिया। दोनों पक्षों ने लिखित समझौता कर लिया और एक-दूसरे के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने की बात कही।

सरेराह हुई मारपीट से कुछ देर के लिए 80 फीट रोड पर अफरा-तफरी मच गई। घटना देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। मारपीट और भीड़ का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

ससुराल में युवक ने हाथ की कलाई काटीःबोला- मैं मरुंगा, तुम सबको फंसा दूंगा, पत्नी साथ जाने को राजी नहीं थी

भोपाल(निप्र)। भोपाल के गौतम नगर इलाके में स्थित ससुराल में पहुंचने के बाद गुरुवार रात एक युवक ने हाथ की कलाई काट ली। वह पत्नी के साथ न चलने से नाराज था। उसने दो साल पहले लव मैरिज की थी। युवक ने स्वयं को घायल करने के पहले साली, साले और सास से भी विवाद किया। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार जेपी नगर निवासी 26 वर्षीय मोहन पंथी फूलों की दुकान पर काम करता है। उसने शिकायत में बताया कि उसकी बहन गीता ने परिवार की मर्जी के खिलाफ वर्ष 2024 में हर्ष मांझी से प्रेम विवाह किया था। रक्षा बंधन पर गीता मायके आई थी। इसके बाद उसने पति के साथ जाने से इनकार कर दिया। इस बात से नाराज हर्ष उसके घर पहुंचकर विवाद कर रहा था। मोहन के मुताबिक हर्ष चाकू लेकर उनके घर पहुंचा। उसने उसकी मां प्रभा बाई को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद सास के साथ झूमाझटकी और धक्का-मुक्की करने लगा। हर्ष ने प्रभा बाई से करीब एक घंटे के लिए मोबाइल मांगा, लेकिन उन्होंने मोबाइल देने से इनकार कर दिया। मोबाइल नहीं देने पर हर्ष गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद उसका मोहन से भी विवाद हो गया।उसने मोहन को जान से मारने की धमकी दी। विवाद के दौरान हर्ष ने अपने पास रखे चाकू से हाथ की कलाई पर वार कर लिया। इसके बाद उसने कहा कि वह मर जाएगा और ससुराल वालों को फंसा देगा। घटना में वह घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री जगदीश मित्तल के निधन पर किया शोक व्यक्त

भोपाल(निप्र)मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष जगदीश मित्तल के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समाज और राष्ट्रहित के लिए समर्पित स्व. जगदीश मित्तल का जीवन हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगत को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026ः मध्यप्रदेश के इंदौर, जबलपुर और भोपाल के (वार्ड-60) को मिलेगा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार

भोपाल (आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में मध्यप्रदेश ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के ध्येय को साकार करते हुए देश में पुन: अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ वायु, स्वस्थ भारत के दूरदर्शी विजन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल एवं पर्यावरण-हितैषी नेतृत्व में प्रदेश ने प्रदूषण नियंत्रण, हरित आवरण विस्तार और नागरिक सहभागिता की दिशा में एक स्वर्णिम अध्याय रचा है। इस राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा में प्रदेश के इंदौर एवं जबलपुर को शहर स्तरीय उत्कृष्ट वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए तथा भोपाल नगर निगम के वार्ड क्रमांक-60 को वार्ड स्तरीय नवाचारों के लिए स्वच्छ वायु सराहना पुरस्कार से अलंकृत किया जाएगा। यह राष्ट्रीय सम्मान 7 सितम्बर 2026 को नई दिल्ली स्थित इंदिरा पर्यावरण भवन के गंगा ऑडिटोरियम में स्वच्छ वायु दिवस समारोह के अवसर पर भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव द्वारा प्रदान किया जाएगा।देशभर में स्वच्छता के सर्वोत्कृष्ट प्रतिमान के रूप में स्थापित इंदौर शहर ने स्वच्छ वायु प्रबंधन के क्षेत्र में भी अपनी तकनीकी दक्षता एवं दृढ़ इच्छाशक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। इंदौर नगर निगम द्वारा प्रभावी रूप से संचालित धूल नियंत्रण उपायों, वैज्ञानिक सड़क सफाई व्यवस्था, हरित पट्टियों के निरंतर विस्तार, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के सुव्यवस्थित प्रबंधन तथा सघन जन-अभियानों ने शहर की आबो-हवा को निर्मल बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। इसी श्रृंखला में जबलपुर नगर निगम ने भी स्वच्छ वायु मानकों के सर्वथा अनुकूल प्रदूषण नियंत्रण रणनीतियों, हरित पहलों और अनुकरणीय सामुदायिक भागीदारी के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रभावशीलता सिद्ध करते हुए यह गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। दोनों ही महानगरों ने यह प्रमाणित किया है कि जन-गण की सहभागिता से संचालित प्रत्येक प्रयास पर्यावरण संरक्षण में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

भोपाल के आंगनवाड़ी केंद्रों पर कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन

कुपोषित बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण कैंप लगाए गए

भोपाल (आरएनएस)। परियोजना बाणगंगा जिला भोपाल महिला बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है इसमें सेक्टर अंबेडकर के केंद्र क्रमांक-744 में स्वास्थ्य कैंप के साथ-साथ बच्चों के द्वारा जन्माष्टमी उत्सव का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें बच्चों द्वारा संगीत एवं नृत्य कर जन्माष्टमी उत्सव को उत्साह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में अखिलेश चतुर्वेदी परियोजना अधिकारी बाणगंगा, अनिमेष सिंह स्वास्थ्य अधिकारी एवं उनकी टीम तथा सेक्टर पर्यवेक्षक के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं अभिभावक एवं बच्चे उपस्थित थे उपस्थित बच्चों को पौष्टिक आहार एवं लड्डू तथा खीर पूरी सब्जी का वितरण किया जा रहा है स्वास्थ्य कैंप में सभी कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं गर्भवती तथा धात्री माता की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक दवाये उपलब्ध कराई जा रही हैं।

भोपाल में तीन हजार का इनामी लम्बू गिरफ्तार, डेयरी की आड़ में गोकशी के मामले में फरार था, 48 दिन बाद मिला

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल की निशातपुरा पुलिस ने डेयरी की आड़ में कथित तौर पर गोकशी करने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे 3 हजार के इनामी आरोपी लम्बू उर्फ नफीस को गिरफ्तार किया है। आरोपी 17 जुलाई 2026 को सामने आए मामले के बाद से फरार था। पुलिस उसकी तलाश में तकनीकी साक्ष्यों के साथ मुखबिर तंत्र की मदद ले रही थी।

पुलिस के मुताबिक 17 जुलाई को लखन यादव की सूचना पर पुलिस और स्थानीय लोगों ने कार्रवाई करते हुए मौके से अजीज और उसके बेटे आसिफ को पकड़ा था। घटनास्थल पर खड़े CNG ऑटो से एक मृत गाय का शव बरामद हुआ था। मामले में निशातपुरा थाने में अपराध क्रमांक 652/2026 दर्ज किया गया था। प्रकरण में अजीज खान, आसिफ, अनीस, जुबेर और इकराम कुरैशी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार घटना के बाद से लम्बू उर्फ नफीस पिता सलेमान कुरैशी उर्फ गोप (44), निवासी कमलनगर, करोंद फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर पुलिस उपायुक्त जोन-4 ने 3 हजार का इनाम घोषित किया था।

मध्यप्रदेश पुलिस के निरीक्षक राकेश कुमार कुशवाह ने राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हासिल किया द्वितीय स्थान

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस के लिए गौरव का एक और अवसर सामने आया है। पुलिस मुख्यालय, भोपाल में निज सहायक के पद पर पदस्थ राकेश कुमार कुशवाह ने अपनी उत्कृष्ट निशानेबाजी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में रजत पदक अर्जित कर मध्यप्रदेश पुलिस का गौरव बढ़ाया है। जबलपुर में 20 से 26 अगस्त 2026 तक आयोजित 13वीं एमपी स्टेट गन फॉर ग्लोरी शूटिंग प्रतियोगिता-एनआर में राकेश कुमार कुशवाह ने 10 मीटर पिस्टल (N R) मास्टर मेन इंडिविजुअल स्पर्धा में हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता के में उन्होंने द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया। राकेश कुमार कुशवाह ग्वालियर डिस्ट्रिक्ट राइफल एसोसिएशन के प्रतिनिधि के रूप में प्रतियोगिता में शामिल हुए थे।श्री कुशवाह पुलिस विभाग के लिपिकीय वर्ग के कर्मचारी हैं और वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में निज सहायक के रूप में शासकीय दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। कार्यालयीन कार्यों की व्यस्तता के साथ निशानेबाजी में निरंतर अभ्यास कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक हासिल करना उनकी प्रतिबद्धता और लगन को दर्शाता है। यह उपलब्धि न केवल मध्यप्रदेश पुलिस की खेल प्रतिभा को सामने लाती है, बल्कि पुलिस विभाग के उन सभी अधिकारी-कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है, जो अपनी नियमित शासकीय सेवाओं के साथ खेल एवं अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

रहवासी इलाकों में कारोबार-3 दिन में 190 सीलिंग,चौथे दिन जीरो-रहवासियों ने कोर्ट में दस्तावेज पेश किए; कहा- अरेरा कॉलोनी के अवैध मॉल पर कार्रवाई नहीं

भोपाल (आरएनएस)। राजधानी भोपाल में सीलिंग और नोटिस देने के हो रहे विरोध के बाद नगर निगम ने कार्रवाई रोक दी है। तीन दिन में 190 सीलिंग की गई थी, लेकिन चौथे दिन जीरो यानी, एक भी सीलिंग नहीं की गई। अफसर कार्रवाई करने से बचते रहे। उधर, नगर निगम, नगरीय प्रशासन और रहवासी अपने-अपने तर्क रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट में पहुंचे हैं।याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया, रहवासियों ने अरेरा कॉलोनी के जिन अवैध मॉलों की शिकायतें की थीं, उन पर अब तक सिलिंग की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दूसरी ओर, नगर निगम छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई कर रहा है। इसे लेकर नाराजगी है। इसलिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पहुंचकर सभी दस्तावेज प्रस्तुत कर निगम की पक्षपात पूर्ण कार्रवाई की मांग की है। ताकि, न्यायालय से दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हो सके। उधर, सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्षों पुरानी इस समस्या के स्थायी और बेहतर समाधान की दिशा में सरकार हर संभव प्रयास करेगी।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर श्रद्धा भाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

नन्हे-मुन्हे बच्चे बालकृष्ण का रूप धरकर पहुँचे आंगनबाड़ी केन्द्रों में

ग्वालियर (ए.)। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जिले के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में नन्हे-मुन्ने बच्चों और उनके अभिभावकों की सहभागिता से श्रद्धा, उल्लास और भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक के साथ मनाया गया। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप में सज-धजकर उत्सव की सुंदर छटा बिखेरी और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र पंजाबी मोहल्ला एवं रमटापुरा-1 पर विशेष आयोजन किया गया। केन्द्र को आकर्षक ढंग से सजाया गया तथा बच्चों ने श्रीकृष्ण एवं राधा के मनोहारी स्वरूप धारण किए। बालिकाओं एवं बच्चों ने भजन, गीत, नृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप, उनके जीवन-मूल्यों तथा प्रेम, करुणा, मित्रता और सत्य के संदेश से परिचित कराया गया। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के माध्यम से बच्चों में भारतीय संस्कृति और हमारी समृद्ध परंपराओं के प्रति रुचि एवं सम्मान विकसित करने का प्रयास किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों के सर्वांगीण विकास में खेल, रचनात्मक गतिविधियों और सांस्कृतिक आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसे उत्सव बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनमें सामूहिक सहभागिता, आत्मविश्वास और रचनात्मकता की भावना भी विकसित करते हैं। उत्सव के दौरान बच्चों के चेहरे पर कृष्ण-कन्हैया के बाल रूप की मासूमियत और उल्लास देखते ही बन रहा था। अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नन्हे कान्हाओं की मनमोहक प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

रतलाम-इंदौर फोरलेन पर स्लीपर बस अनियंत्रित होकर पलटी, 28 यात्री घायल, क्रेन से हटाया गया वाहन

रतलाम, (ए.)। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में रतलाम-इंदौर फोरलेन पर गुरुवार देर रात करीब डेढ़ बजे यात्रियों से भरी स्लीपर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस सवार 28 यात्री घायल हो गए। हादसे के वक्त बारिश हो रही थी। बस के अचानक पलटते ही यात्रियों में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद बिलपांक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया।जानकारी के मुताबिक स्लीपर बस भीलवाड़ा से नासिक जा रही थी। सातरुंडा के पास रत्तागिरी चौराहे से पहले सड़क के मोड़ पर बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई।

शहडोल में बारिश का असर- बरने नदी उफान पर, पुल के ऊपर बह रहा पानी; मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ का रास्ता बंद

शहडोल, (ए.)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। जैतपुर तहसील क्षेत्र के कोलमी गांव के पास बरने नदी उफान पर है। नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने के कारण झींक बिजुरी से छत्तीसगढ़ के केल्हारी को जोड़ने वाला अंदरूनी मार्ग बंद हो गया है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने लोगों को पुल से आवागमन नहीं करने की हिदायत दी है। सुरक्षा के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया है।बरने नदी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित है।

इसके एक तरफ मध्य प्रदेश का जैतपुर थाना क्षेत्र है, जबकि दूसरी ओर छत्तीसगढ़ का केल्हारी थाना क्षेत्र आता है। लगातार बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ गया है और पानी पुल के ऊपर पहुंच गया है। ऐसे में पुलिस लोगों को पुल पार करने से रोक रही है, ताकि किसी तरह की दुर्घटना न हो। जिले में लगातार बारिश के बीच बाणसागर बांध का जलस्तर पूर्ण जलभराव स्तर तक पहुंच चुका है। जानकारी के अनुसार, 3 सितंबर सुबह 8 बजे बांध का जलस्तर 341.64 मीटर दर्ज किया गया, जो पूर्ण जलभराव स्तर के बराबर है। बांध से कुल 4241.66 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसके लिए आठ रेडियल गेटों को 2.50 मीटर तक खोला गया है। वहीं, स्पिलवे के आठ गेटों के जरिए करीब 4060 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है।

अमरकंटक में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया

अनूपपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में स्थित प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ नगरी अमरकंटक में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। यादव समाज द्वारा पहली बार पारंपरिक एवं भव्य स्वरूप में विशाल शोभायात्रा निकाली गई। राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी, ढोल-नगाड़ों, भक्ति गीतों और पारंपरिक नृत्य के बीच निकली शोभायात्रा से अमरकंटक का वातावरण देर तक कृष्णमय बना रहा।

दोपहर में शोभायात्रा फलाहारी आश्रम से प्रारंभ होकर नर्मदा मंदिर से होते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से स्थानीय बस स्टैंड पहुंची। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए। भगवान श्रीकृष्ण के जयघोष और भक्ति गीतों से नगर की आध्यात्मिक फिजा में विशेष उत्साह देखने को मिला।

वृंदावन के कलाकारों ने बांधा समां

शोभायात्रा में वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा प्रस्तुत राधा-कृष्ण की सजीव एवं मनमोहक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। सुसज्जित झांकी में राधा-कृष्ण स्वरूप कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य एवं भक्ति प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। भगवान श्रीकृष्ण और राधा के स्वरूप में कलाकारों की पारंपरिक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को ब्रजधाम की भक्ति संस्कृति का साक्षात्कार कराया। ढोल-नगाड़ों और भक्ति संगीत के साथ यादव समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हुए शोभायात्रा में आगे बढ़ते रहे। डीजे एवं भक्ति गीतों की धुन पर युवाओं और समाज के अन्य लोगों में भी खासा उत्साह नजर आया।

राजगढ़ में बस को कंटेनर ने पीछे से मारी टक्कर, चालक समेत 6 घायल; कंटेनर चालक फरार

राजगढ़ (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में बस चालक समेत छह लोग घायल हो गए। खिलचीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बड़बेली जोड़ के पास सवारियों को उतारने के लिए सड़क किनारे खड़ी पवन बस को तेज रफ्तार 10 चक्का कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।दुर्घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, पवन बस ग्राम बड़बेली जोड़ के पास यात्रियों को उतारने के लिए सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से तेज गति में आ रहे कंटेनर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती पर समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा पहुंची पाढर

बैतूल(ए.)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा 4 सितंबर को चिचोली से निकली। इस दौरान गाजे- बाजे के साथ यात्रा ने स्थानीय मंदिरों का भ्रमण किया।

यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। यात्रा प्रमुख ग्रामों का भ्रमण करते हुए पाढर पहुंची, तत्पश्चात यात्रा का रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा में जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार, डॉ महेंद्र सिंह चौहान, किशोर बरदे, अनिल सिंग ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि सामाजिक बंधु , संत रविदास समाज के अनुयायी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता, समानता एवं भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

इन विकासखंडो में पहुंचेगी संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता कलश यात्रा संत

शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता पावन कलश एवं कलश रथ जिला मुख्यालय से स्थानीय रविदास मंदिरों तथा ग्राम स्तर तक पहुंचाए जाएंगे। कलश रथ 20 अगस्त से 10 सितंबर तक जिले में निर्धारित मार्ग के अनुसार भ्रमण करेगा। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की समरसता कलश यात्रा 5 सितंबर को पाढर से घोड़ाडोंगरी, चोपना भ्रमण तथा रात्रि विश्राम रहेगा।

बैतूल विकासखंड में 6 सितंबर को यात्रा चोपना नगर से बडोरा बैतूल पहुंचेंगी तथा रात्रि विश्राम रहेगा।

वहीं 7 सितंबर को यात्रा बडोरा से बैतूल बाजार नगर भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 8 सितंबर को बैतूल बाजार से खेड़ी सांवलीगढ़ भ्रमण एवं रात्रि विश्राम, 9 सितंबर को खेड़ी सांवलीगढ़ से बैतूल नगर भ्रमण, स्थानीय मंदिरों का भ्रमण एवं रात्रि विश्राम रहेगा तथा 10 सितंबर को बैतूल नगर भ्रमण कर शाम 6 बजे यात्रा का समापन किया जाएगा।

व्यापार समाचार

एफएसएसएआई ने वाई-वाई नूडल्स बनाने वाली सीजी फूड इंडिया को वेज भुजिया नमकीन का उत्पादन रोकने का दिया आदेश

नई दिल्ली(ए.)। भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुरुवार को कहा कि उसने खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के बाद सीजी फूड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है।

एफएसएसएआई ने निरीक्षण के दौरान कथित तौर पर असुरक्षित प्रोसेसिंग, बिना लाइसेंस उत्पादन, पैकेजिंग पर पिछली तारीख डालने और स्वच्छता संबंधी कमियां पाए जाने के बाद सीजी फूड इंडिया को वेज भुजिया नमकीन का उत्पादन रोकने का निर्देश दिया है।

खाद्य नियामक ने मौके से 32,107.2 किलोग्राम स्टॉक जब्त किया, जिसमें खुले में रखे टूटे हुए नूडल्स भी शामिल थे।

एफएसएसएआई ने एक बयान में कहा, निर्माण और स्वच्छता संबंधी अनुपालन की जांच के लिए सीजी फूड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रूपनगढ़, अजमेर (राजस्थान) में निरीक्षण किया गया। यूनिट में फर्श से एकत्र किए गए टूटे हुए नूडल्स को बिना हीट ट्रीटमेंट के दोबारा प्रोसेस करके भुजिया उत्पादों में इस्तेमाल किया जा रहा था। इसके अलावा पैकेजिंग पर पिछली तारीखें भी डाली जा रही थीं।

निरीक्षण में वाई-वाई मामा और वाई-वाई मामा पुंटे भुजिया वेरिएंट का बिना लाइसेंस उत्पादन भी पाया गया, जो एफएसएस एक्ट, 2006 की धारा 31(1) का सीधा उल्लंघन है।

एफएसएसएआई ने कहा कि निरीक्षण के दौरान स्वच्छता और

दस्तावेजों से जुड़ी कई कमियां भी सामने आईं। इनमें पर्याप्त पेस्ट-कंट्रोल रिकॉर्ड का न होना तथा खाद्य स्वच्छता और सुरक्षा से संबंधित अन्य कमियां शामिल थीं।

प्रयोगशाला जांच के लिए कई नियामकीय नमूने लिए गए। इनमें खुले नूडल्स की सामग्री, दोनों वेज भुजिया उत्पाद, फ्राइंग लाइन में इस्तेमाल किया गया कुकिंग ऑयल और वाई-वाई रेडी टू ईट नूडल्स शामिल हैं।

इसके अलावा, समाप्त हो चुकी मियाद वाले तैयार उत्पादों के 1,925 बॉक्स भी हिरासत में लिए गए और कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

कंपनी को उचित मंजूरी और जरूरी उपायों के बिना वेज भुजिया नमकीन उत्पादों का उत्पादन बंद करने का निर्देश दिया गया है।

नियामक ने कहा, प्रयोगशाला जांच और निरीक्षण के निष्कर्षों के आधार पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अनुसार आगे नियामकीय कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले दिन में एफएसएसएआई ने कर्नाटक के बेंगलुरु में ब्रिटिश लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी सख्त प्रवर्तन कार्रवाई शुरू की थी। निरीक्षण में गलत लेबल वाले और एक्सपायर्ड शिशु खाद्य उत्पाद पाए गए थे।यह कार्रवाई शिशु खाद्य उत्पादों की सुरक्षा और नियामकीय अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई, खासकर उन उत्पादों के लिए जो शिशुओं और छोटे बच्चों के लिए बनाए जाते हैं।एफएसएसएआई ने कहा, खाद्य सुरक्षा निरीक्षण के बाद बेंगलुरु स्थित ब्रिटिश लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ सख्त नियामकीय कदम उठाए गए। बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले शिशु खाद्य उत्पाद जब्त किए गए हैं। कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार में तेजी, डिफेंस और आईटी में खरीदारी

मुंबई (ए.)। मजबूत वैश्विक संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के सत्र में बढ़त के साथ खुला। सुबह 9ः21 पर सेंसेक्स 466 अंक या 0.61 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,619 और निफ्टी 46 अंक या 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,916 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में तेजी को बढ़ाने का काम डिफेंस और आईटी ने किया। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.89 प्रतिशत और निफ्टी आईटी 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ टॉप गेनर्स थे।इसके अलावा, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी पीएसई भी हरे निशान में थे। दूसरी तरफ निफ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी कमोडिटीज लाल निशान में थे। मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 63,237 अंक पर करीब सपाट कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 83 अंक या 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,134 पर था।

हिमाचल का राजकोषीय घाटा सीमा से ज्यादा, राजस्व का 86 प्रतिशत वेतन और सब्सिडी पर खर्च

शिमला (ए.)। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने गुरुवार को हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति की चिंताजनक तस्वीर पेश की है। सीएजी ने तेजी से बढ़ते कर्ज के बोझ, राजकोषीय घाटे की सीमा के उल्लंघन और विकास एवं पूंजीगत व्यय के लिए धन की घटती उपलब्धता पर चिंता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा राज्य विधानसभा में पेश की गई वित्तीय वर्ष 2024-25 की सीएजी रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य का राजकोषीय घाटा राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) ढांचे के तहत निर्धारित सीमा को पार कर गया है।

राज्य का राजस्व घाटा 6,804.61 करोड़ रुपए रहा, जबकि राजकोषीय घाटा 12,611.05 करोड़ रुपए या जीएसडीपी का 5.44 प्रतिशत तक पहुंच गया।

रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार एफआरबीएम अधिनियम के तहत निर्धारित लक्ष्यों के भीतर इन घाटे को नियंत्रित करने में विफल रही।राज्य की बकाया देनदारियां भी 15वें वित्त आयोग और राज्य के स्वयं के बजट अनुमानों द्वारा अनुशंसित लक्ष्यों से काफी अधिक थीं।लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि राज्य की कुल राजस्व प्राप्ति का लगभग 86 प्रतिशत हिस्सा निर्धारित व्यय और सब्सिडी में खर्च हो रहा है, जिससे अवसंरचना विकास और पूंजी निवेश के लिए बहुत कम राशि उपलब्ध हो पा रही है।

सीएएस लागू होने के बाद डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की सेटलमेंट प्राइस पद्धति की समीक्षा करेगा सेबी

मुंबई (ए.)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा है कि वह क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) लागू होने के बाद डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी पर सेटलमेंट प्राइस तय करने की मौजूदा पद्धति की समीक्षा करेगा। इस संबंध में सेबी अगले सप्ताह एक परामर्श पत्र जारी करेगा।सेबी ने बताया कि 16 जनवरी 2026 के सर्कुलर के तहत इक्विटी कैश सेगमेंट में क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) की व्यवस्था 3 अगस्त 2026 से लागू की गई थी। इस व्यवस्था के तहत सीएएस में तय होने वाला क्लोजिंग प्राइस ही डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी पर सेटलमेंट प्राइस निर्धारित करने का आधार भी बना।नियामक के अनुसार सीएएस का ढांचा व्यापक विचार-विमर्श और हितधारकों से परामर्श के बाद तैयार किया गया था। इसके लिए दिसंबर 2024 और अगस्त 2025 में दो चरणों में सार्वजनिक परामर्श आयोजित किए गए थे। इसके अलावा स्टॉक एक्सचेंजों, ब्रोकर संगठनों, संस्थागत निवेशकों, बाजार सहभागियों और अन्य हितधारकों के साथ भी विस्तृत चर्चा की गई थी।सेबी ने कहा कि सीएएस लागू होने के बाद उसने स्टॉक एक्सचेंजों, ब्रोकरों, प्रोपाइटरी ट्रेडर्स, सॉफ्टवेयर विक्रेताओं, म्यूचुअल फंडों, उद्योग संगठनों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) सहित विभिन्न हितधारकों के साथ लगातार संवाद बनाए रखा, ताकि इसके क्रियान्वयन से जुड़ी परिचालन संबंधी चुनौतियों का समाधान किया जा सके।सेबी ने पहले महीने के दौरान सीएएस के कामकाज और उसके बाजार पर पड़े प्रभाव की भी निगरानी की। इस दौरान सोशल मीडिया, अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म और विभिन्न माध्यमों से बाजार सहभागियों की ओर से कई सुझाव और प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं।सेबी के मुताबिक प्राप्त प्रतिक्रियाओं में सबसे प्रमुख मुद्दा यह रहा कि डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की एक्सपायरी पर सेटलमेंट प्राइस को सीएएस से तय क्लोजिंग प्राइस के आधार पर निर्धारित करने की व्यवस्था पर पुनर्विचार किया जाए।सेबी ने कहा कि सीएएस के शुरुआती अनुभव और हितधारकों से मिले सुझावों को देखते हुए वह डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स की सेटलमेंट प्राइस तय करने की पद्धति में कुछ बदलाव प्रस्तावित कर सकता है।

सोने की कीमतों में आने वाला है बड़ा उछाल, इतने रुपए तक पहुंच सकते है भाव

नई दिल्ली(ए.)। त्योहारी सीजन में अगर आप सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट का इंतजार कर रहे हैं तो उम्मीदों को झटका लग सकता है। दुनिया की कई बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों ने हाल के हफ्तों में सोने में अपनी खरीदारी बढ़ा दी है। अमुंडी, पिक्टेट, रोबेको और फिडेलिटी जैसी दिग्गज निवेश कंपनियां सोने को लेकर अब भी सकारात्मक नजर आ रही हैं। उनका मानना है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति के बावजूद सोने की बुनियादी ताकत मजबूत बनी हुई है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमुंडी को उम्मीद है कि साल के अंत तक सोने की कीमत 5,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है। यह स्तर हासिल होने पर भारतीय बाजार में सोने की कीमत करीब 2 लाख रुपये के आसपास पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

बजाज ऑटो की चांदी, 1 महीने में बिकीं 5.35 लाख से ज्यादा गाड़ियां; देश से ज्यादा विदेशों में मची लूट

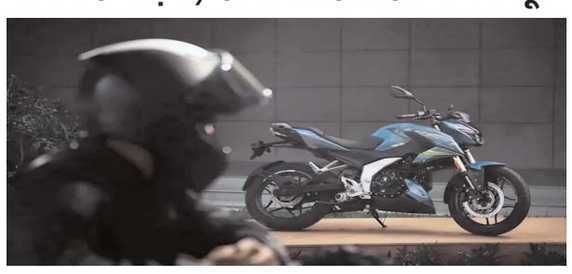

नई दिल्ली (ए.)। दोपहिया और तिपहिया वाहन बनाने वाली दिग्गज भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनी बजाज ऑटो के लिए अगस्त 2026 का महीना बिक्री के लिहाज से बेहद शानदार साबित हुआ है। विदेशी बाजारों में भारतीय गाड़ियों की बढ़ती मांग और एक्सपोर्ट में आए जबर्दस्त उछाल ने कंपनी की ओवरऑल ग्रोथ को नई रफ्तार दी है। बजाज ऑटो ने अगस्त महीने में कुल 5,35,764 गाड़ियां बेची हैं, जबकि पिछले साल इसी महीने (अगस्त 2025) में यह आंकड़ा 4,17,616 यूनिट्स का था। कंपनी ने सालाना आधार पर 28 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की है।

विदेशों में बजा डंका, कुल बिक्री का 54.5त्न हिस्सा सिर्फ एक्सपोर्ट

कंपनी के आंकड़ों की सबसे दिलचस्प बात यह है कि बजाज ऑटो देश में जितनी गाड़ियां बेच रही है, उससे कहीं अधिक विदेशों में एक्सपोर्ट कर रही है। अकेले अगस्त महीने में कंपनी ने कुल 2.8 लाख (2,80,056) वाहनों का निर्यात किया, जो पिछले साल के मुकाबले 51 फीसदी अधिक है। कंपनी की कुल बिक्री में अकेले 54.5 फीसदी हिस्सेदारी विदेशी निर्यात से आई है। विशेष रूप से दोपहिया सेगमेंट में एक्सपोर्ट 53 फीसदी उछलकर 2,41,650 यूनिट्स पर पहुंच गया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

कंट्रोल टूट जाने का अहसास

भाजपा का नैरेटिव कंट्रोल प्रचार तंत्र की कमजोरी के कारण नहीं टूटा। यह कमजोर पड़ा है, क्योंकि प्रचार और जमीनी हकीकतों की दिशा विपरीत हो गई है। अवसरहीन पीढ़ी के बीच जुमलों को बेचना आसान नहीं है।

यह अच्छी बात है कि भाजपा नेतृत्व को सियासी नैरेटिव पर अपना कंट्रोल टूट जाने का अहसास हुआ है। लेकिन जो वजह उसने समझी और जो समाधान ढूंढा, उससे नहीं लगता कि वह सतही आकलन से आगे बढ़ पाया है। पार्टी के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय को संभवत: इस समझ के कारण हटाया गया कि नई पीढ़ी के मानस को नियंत्रित करने लायक प्रचार सामग्री वे तैयार नहीं करवा पाए। इसका परिणाम जेन-ज़ी के विद्रोही तेवर के रूप में सामने आया है। दरअसल, 'कॉकरोच' परिघटना के उदय को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसी रूप में समझा। इसीलिए समाधान के बतौर वे इंस्टाग्राम पर आए और मंत्रियों को भी ऐसा करने की सलाह दी!भाजपा नेतृत्व के लिए सचमुच यह बड़ी चुनौती है कि जेन-ज़ी का बड़ा हिस्सा हिंदू-मुस्लिम द्वेष को पृष्ठभूमि में रखते हुए ऊंचे जुमलों के जरिए गढ़ी गई कहानियों के प्रभाव से बाहर निकलने लगा है। उसे इससे भी ज्यादा चिंता जरूरी सुविधाओं के अभाव को लेकर जगह-जगह स्कूली बच्चों के विरोध प्रदर्शनों से हो रही होगी। तो अब दीपक म्हास्के को आईटी सेल संभाल कर प्रचार को ऐसा मोड़ देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे जेन-ज़ी और जेन-अल्फा का मन जीत लिया जाए! लेकिन यह ऐसी चुनौती है, जो प्रचार तंत्र की क्षमता और संभावनाओं के दायरे से बाहर है।भाजपा का नैरेटिव कंट्रोल प्रचार तंत्र की कमजोरी के कारण नहीं टूटा। यह इसलिए कमजोर पड़ा है, क्योंकि प्रचार और जमीनी हकीकतों की दिशाएं विपरीत हो गई हैं। तब मौजूद अवसरों से अपनी जिंदगी संवार चुकी पीढ़ी को सामाजिक दुराव और सियासी जुमलों से भरमाना जितना आसान था, अवसरहीनता से ग्रस्त पीढ़ी के बीच वैसी कहानियां बेचना उतना ही कठिन है। खासकर उस हाल में जब ये पीढ़ी सोशल मीडिया के जरिए धंसते इन्फ्रास्ट्रक्चर और ढहती अन्य व्यवस्थाओं से अवगत भी है। इसलिए बेहतर होता, मालवीय की जगह म्हास्के को लाने के साथ-साथ भाजपा सरकारी नीतियों में बदलाव, नीतिगत अमल का तंत्र दुरुस्त करने और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण की दिशा में भी ठोस पहल करती। कंटेंट के बिना गढ़ा गया प्रचार कभी सफल नहीं होता।

कविता,(शिक्षक दिवस पर विशेष)

चलो ज्ञान की ओर। शिक्षकों का सम्मान।
श्रेष्ठ शिक्षक हैं तो ज्ञान है
ज्ञान है तोविज्ञान है ज्ञान विज्ञान है
तो व्यक्ति औरदेश की आन है,
देश की शान है सत्य, शिक्षक महान है।
आओ नमन करें उनशिक्षकों, गुरुओं को
जिन्होंने परतंत्रता से निजात दिलाई
स्वतंत्रता की रोशनी दिखाई, हमें ज्ञान की दिशा दिखाई।
आज हम विश्व मेंशीश उठाकरतिरंगा फहराते हैं,
आजादी का यश गान गाते हैं,
खुली हवा में आजादी का गुणगान करते हैं,
और यहगुरु और शिक्षकों की भूमिका से हुआ है सब,
कृतज्ञ उनके हैं हम सब।
हे गुरुदेव आपके दिए ज्ञान का हमें है अभिमान,
अपने देश को दी शान,और हमें दिया ज्ञान।
सभी गुरुओं,शिक्षकों कोहमारा नमन-प्रणाम।
जय हिंद जय भारत।

संजीव ठाकुर,

05 सितम्बर पुण्यतिथि पर विशेष

जन्मजात प्रतिभाशाली थे,भाई विचित्र कुमार सिन्हा

चौदह फरवरी 1924 में मुंशी उमाचरण और श्रीमती विद्यादेवी सक्सेना के घर गुना में एक बालक का जन्म हुआ, नाम रखा गया हरिशंकर। श्री हरिशंकर जन्मजात प्रतिभा को लेकर आर्य समाजी परिवार में पालित पोषित हुए। छात्रावास में ही अपने स्कूलों में तुलसी जयंती पर पराधीनता विरूद्ध कविता सुनकर उन्होंने सबकों चौंका दिया था। 1937 में स्थानीय पत्र शाकुन्तल में आपकी रचनाएं छपने लगी थी और होशंगाबाद जेल में बंद कर दिये गये। छूटने पर भोपाल आ गये यहां 1940 में हरिजन पाठशाला की स्थापना की। पुरानी सब्जी मण्डी में हुए कवि सम्मेलन में विद्रोही स्वर में किये गये पाठन ने आपको रियासत से बाहर का रास्ता दिखला दिया। वापिस गुना जा पहुँचे, वहां 1942 में बिजली घर का फीडर काटने के कारण मुंगावली जेल में नजरबंद कर दिये गये। 1943 में बंगाल के अकाल पीड़ितों की सहायता हेतु कोलकाता जा पहुंचे वहां मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी के साथ काम किया। 1953 में प्रजापुकार और 1954 में पंचशील का सम्पादन प्रकाशन किया। इसी समय निराला जयंती पर कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसके बारे में श्री बटुक चतुर्वेदी ने उनके 77वें जन्मोत्सव पर लिखा था-*तब बसंत पर जो कवितायें कवियों ने सुनाई उनमें सर्वाधिक आकर्षक और समयानुकूल कविता विचित्र भाई की थी, जिसकी शुरूआत इस प्रकार की गई थी।

वासंतिक फैलाये दुकूल,सरसो खेतों में रही फूल

अचानक एक दिन (5 सितंबर 1995) को खबर मिली कि वे आटो से कहीं जा रहे थे, दुर्घटना में उन्होंने सिर्फ शरीर से आत्मियों का साथ छोड़ दिया। शरीर से इसलिए कहूंगी कि वे स्मृतियों में सदैव रहा करते हैं यदा-कदा चर्चाओं में भी आ जाते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि वे लोग कभी नहीं मरा करते जिनके लायक बच्चे उन्हें जीवित रखना जानते हैं। श्री कृष्णकांत सक्सेना भी उसी श्रेणी के पुत्र हैं जो अपने पूज्य पिताश्री के नाम पर एक भव्य सम्मान समारोह के आयोजन द्वारा-भोपाल वासियों को फिर-फिर श्री विचित्रकुमार सिन्हा की याद करा देते हैं। साहित्य पत्रकारिता और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अपने तीनों ही रूपों में उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनायी थी। सप्रेसंग्रहालय में उपलब्ध पृष्ठों में उनकी इस त्रिवेणी के साक्षात् दर्शन होते हैं। बातचीत में एक बार उन्होंने बताया था कि कोलकाता में उनकी भेंट मतवाला मंडल के

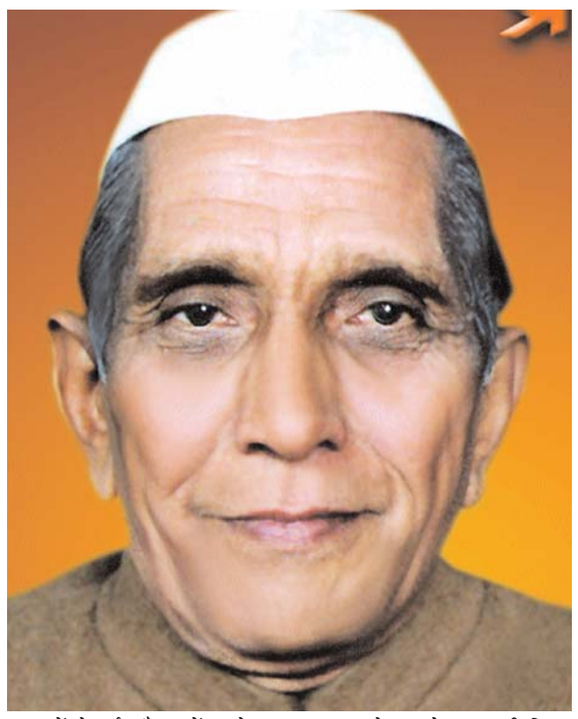

सदस्यों से हुई और उन्हें उनके साथ काम करने का प्रोत्साहन भी मिला था। पर भोपाल के प्रति लगाव के कारण वे निर्वासन अवधि पूरी होते ही भोपाल आ गये और बालमुकुंद की बगिया में राष्ट्रीय नाटक का मंचन करते पकड़े जाने पर फिर निर्वासित कर दिये गये। इस बार वे उज्जैन चले गये और 1944 में जय महाकाल में उग्र जी के सहयोगी हो गये। उग्रजी उनके लेखन की विचित्रता से इतने प्रभावित हुये कि उन्होने उनका नाम ही विचित्र कुमार रख दिया। सन् 1947 में सिन्हा जी दिल्ली चले गये जहां शास्त्रीजी के मार्गदर्शन में कांग्रेस द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन का हिस्सा बने। इसी समय विचित्र कुमार सिन्हा जी का काव्य संग्रह विद्रोह प्रकाशित हुआ। 1949 में इस संग्रह के कविता पाठ ने उन्हें सागर में गिरफ्तार कर बेगमगंज के जंगलों में छुड़वा दिया गया। इस तरह की प्रताड़ना की उन्हें आदत सी पड़ गई थी और वे ठहाकों के साथ अपने संस्मरण सुनाया करते थे। 1961 में जब पंडित नेहरू भोपाल आये। उस अवसर पर उन्होंने जो भाषण दिया था, उस भाषण को विचित्र कुमार सिन्हा जी ने मुल्क में सैकड़ों तख्त खाली पड़े हैं, शीर्षक देकर छापा था। व्यंग्य पत्रकारिता में शोध करने के कारण मेरा उनसे सम्पर्क हुआ था जो जल्दी ही आत्मीयता में परिवर्तित हो गया। मुझे आज भी स्मरण है कि हर वर्ष वसंत पंचमी पर उनके घर की काव्य संध्या में साहित्यिक मित्र मंडली जमा हो जाती थी। हम भूल न जायें इसलिये बार बार याद दिलाया जाता था कि वसंत पंचमी पर आना है उस दिन सिन्हा जी का जन्मदिन रहता था अत: श्रीमति सिन्हा चुन चुनकर उनकी पसन्द की चीजें बनाती थी आग्रह पूर्वक ठूंस-ठूंस कर खिलाया जाता था। सिन्हा दम्पत्ति का आपसी तालमेल हमें सदैव प्रभावित करता रहा था। तथा उनके बच्चों के संस्कार यह अवश्य बतला देते थे कि यह घर पढ़ने लिखने वालों का है। स्व. विचित्र कुमार सिन्हा की पुस्तक चित्रकार की कुछ पंक्तियों से उनकी काव्य शैली को जाना जा सकता है:-

'बीच चौक के चौराहे पर,भूखी लाज बिके बेचारी,
मुट्ठी भर दानों की खातिर, हार रही हो अस्मत नारी।
वे आँखे निर्लज्ज इशारों की करती हो बौछारें,
ये दारूण आघात भिखारिन सहती हो, जलती मन मारे।
नीचे लिख दो नाम चित्र का, भूख देख, विदेशी शासन,
कितना शोषण, कितना पीड़न, कितना पतन, हाय वहशीपन।

इसी प्रकार कुण्डलियाँ जो मैने कही ''पुस्तक में संकलित कुडलियों में समय काल की कड़वी सच्चाई दिखाई देती हैं-

''जातिवाद से एक दिन, होगा सत्यानाश।
जो यह विष जी जायेगा, वह शम्भू-कैलाश।।
'वह शम्भू कैलाश'', शिव-मानव का रक्षक।
छुआ-छूत औ भेदभाव का होगा भक्षक।।
कहें विचित्र कविराय, हरो जन-जन की पीड़ा।
मिट जाएगी शान, सदा भोगोगे पीड़ा।।''

विचित्र कुमार सिन्हा जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित.....

मंगला अनुजा

सड़कें और फ्लाईओवर जनता की सुरक्षा की रीढ़

रजनीश कपूर

आईआईटी जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों का मानना है कि सबसे कम बोली वाले ठेकेदार को काम मिलने से लागत कम करने के लिए घटिया सामग्री का इस्तेमाल होता है। सब-कॉन्ट्रैक्ट की कई परतें और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में लापरवाही भी जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि सफलता को सिर्फ किलोमीटर में नहीं, बल्कि टिकाऊपन में मापा जाए।

पिछले कुछ वर्षों में देश भर में सड़कों के धंसने, फ्लाईओवर के गिरने और नयी-नयी बनी सड़कों के जल्दी खराब होने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। बारिश हो या सामान्य मौसम, सड़कें गड्ढों में तब्दील हो जा रही हैं, सेवा मार्ग धंस जाते हैं और कभी-कभी बड़ी निर्माण परियोजनाएँ भी विफल साबित हो जाती हैं। गुरुग्राम, कानपुर, गुजरात और जम्मू-कश्मीर जैसी जगहों पर हाल की घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी में गंभीर खामियां हैं। ये घटनाएं न केवल आम नागरिकों की जान जोखिम में डालती हैं, बल्कि विभिन्न राज्य सरकारों की छवि भी धूमिल करती हैं।

अगस्त 2026 में गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद बेहद व्यस्त रहने वाले इफको चौक के पास दिल्ली-जयपुर हाईवे की सर्विस रोड धंस गई। करीब 10 से 15 फीट गहरा और कई फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। जीएमडीए की सीवर लाइन में लीकेज से मिट्टी बह गई और सड़क धंस गई। इसी तरह कानपुर में जाजमऊ के सरैया चौराहे पर सड़क में अचानक 'पाताल' जैसा गड्ढा बन गया, जो लगभग तीन मीटर चौड़ा और 18 फीट गहरा था। बारिश का पानी देखते ही देखते उसमें समा गया।

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में निर्माणाधीन फ्लाईओवर का एक हिस्सा गिरने से मजदूर की मौत हो गई। गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों पर दरारें और गड्ढों की शिकायतें आईं, जहां ठेकेदारों पर जुर्माना भी लगाया गया। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे जैसे नए प्रोजेक्ट में उद्घाटन के कुछ हफ्तों में ही सतह फिसलने की घटना हुई। ये सिर्फ अलग-अलग घटनाएं नहीं, बल्कि एक पैटर्न दर्शाते हैं।

इस सब के लिए संबंधित विभाग और अधिकारी स्पष्ट रूप से दोषी हैं। सीवर लाइन, पानी की पाइपलाइन या ड्रेनेज सिस्टम को ठीक से नहीं बिछाया जाता या उनका रखरखाव नहीं होता। मिट्टी भरने (बैकफिलिंग) में लापरवाही, घटिया बिटुमिन या कंक्रीट का इस्तेमाल और गुणवत्ता जांच की औपचारिकता भर ही रह जाती है। परियोजनाओं का पर्यवेक्षण करने वाले इंजीनियर और अधिकारी अक्सर इन कमियों को नजरअंदाज कर देते हैं। ठेकों में 'एल-1' बोली प्रणाली में ठेकेदार मुनाफा कमाने के लिए सामग्री में कटौती करते हैं और अधिकारियों की मिलीभगत या उदासीनता इसे बढ़ावा देती है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2021 से 2026 के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में दर्जनों मामले खराब कार्यक्षमता, खराब डिजाइन और अपर्याप्त पर्यवेक्षण से जुड़े रहे। औपचारिकता के लिए, कुछ ठेकेदारों पर जुर्माना ज़रूर लगता है, लेकिन पर्यवेक्षण करने वाले सरकारी अधिकारियों पर कार्रवाई शायद ही होती है।

सवाल उठता है कि अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती? गौरतलब है कि जिम्मेदार अधिकारियों पर न तो सख्त विभागीय कार्रवाई होती है, न ही आपराधिक। ऐसे मामलों में अक्सर जांच कमेटी बना दी जाती है, रिपोर्ट दाखिल हो जाती है और मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है। राजनीतिक संरक्षण, नौकरशाही की आपसी सुरक्षा और 'सिस्टम' का बहाना काम करता है। ठेकेदारों को कभी-कभी ब्लैकलिस्ट भी किया जाता है, लेकिन अधिकारी अक्सर सुरक्षित रहते हैं। परिणामस्वरूप, राज्य सरकारों की छवि खराब होती है।

चाहे हरियाणा का गुरुग्राम हो, उत्तर प्रदेश का कानपुर, गुजरात के हाईवे, पहाड़ी राज्यों के सड़क निर्माण हों या जम्मू-कश्मीर की परियोजनाएँ, सभी जगह एक ही कहानी दोहराई जाती है। जनता टैक्स चुकाती है, लेकिन बदले में उन्हें सुरक्षित सड़कें नहीं मिलतीं।

आख़िर इसका जिम्मेदार कौन? ठेकेदार, पर्यवेक्षण करने वाले इंजीनियर, डीपीआर बनाने वाले सलाहकार और अंतत: नीति बनाने वाले तथा राजनीतिक नेतृत्व।

सरकारें और विभाग अक्सर दावा करते हैं कि ये सड़कें, हाईवे और फ्लाईओवर बेहतरीन तकनीक और आधुनिक सामग्री से बने हैं। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) और राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) या महानगर विकास प्राधिकरण परियोजनाओं को 'वर्ल्ड क्लास' बताते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि कई सड़कें कुछ महीनों या एक-दो साल में ही खराब हो जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि समस्या डिजाइन, सामग्री और निष्पादन तीनों स्तर पर है। सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) के अधिकारियों ने समय-समय पर इशारा किया है कि तेज गति से निर्माण की होड़ में गुणवत्ता पीछे छूट जाती है। मांग और आपूर्ति के बीच अंतर, सामग्री की गुणवत्ता में समझौता और निगरानी की कमी मुख्य कारण हैं।

आईआईटी जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों का मानना है कि सबसे कम बोली वाले ठेकेदार को काम मिलने से लागत कम करने के लिए घटिया सामग्री का इस्तेमाल होता है। सब-कॉन्ट्रैक्ट की कई परतें और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में लापरवाही भी जिम्मेदार हैं। विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि सफलता को सिर्फ किलोमीटर में नहीं, बल्कि टिकाऊपन में मापा जाए। ऐसा नहीं है कि इसका समाधान संभव नहीं हैं। सबसे पहले, स्वतंत्र गुणवत्ता ऑडिट अनिवार्य किए जाएं। सामग्री की जांच प्रयोगशालाओं में हो और रिपोर्ट सार्वजनिक हो।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपको जिम्मेदारी भरा काम मिल सकता है। काम करने में कुछ चुनौतियां आएंगी, लेकिन आप किसी कलीग की मदद से पूरा कर लेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको संतान की तरफ से कोई खुश खबरी मिलेगी। साथ ही आप उनके करियर को और बेहतर बनाने के लिए गुरु विचार-विमर्श करेंगे। आज आप अपना कोई पुराना लेन देन चुकता कर देंगे आपको राहत मिलेगी। जॉब की तलाश कर रहे लोगों की तलाश पूरी होगी, अच्छी जगह से जॉब का प्रस्ताव आयेगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको धैर्य से काम करने की जरूरत है। कुछ लोग आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी बुद्धिमत्ता के आगे उनका कोई जोर नहीं चलेगा। स्टूडेंट्स के करियर में आ रही रुकावटों का आज समाधान मिल सकता है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके बिजनेस में किये गये बदलाव से आपको अच्छी इनकम होगी। आज आपको उधार के लेन देन को अवॉयड करने की जरूरत है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको जमीन जायदाद से जुड़े मामलों में जीत मिलेगी, घर में खुशी का माहौल बनेगा। आज अपने ईगो को छोड़कर दूसरों की सलाह पर अमल करने की जरूरत है। बिजनेसमैन के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, आज किसी डील को फाइनल करेंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको इनकम का नया सोर्स मिलेगा लेकिन साथ ही आपके खर्चों में भी बढ़ोतरी हो सकती है। आज कहीं जाते समय आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आगे चलकर आपकी अच्छी दोस्ती हो सकती है।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज ससुराल पक्ष से कोई खुशखबरी मिल सकती है, जिससे पूरे दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बनी रहेगी। आज आपकी मेहनत करने की क्षमता को देखकर माता पिता आप पर गर्व महसूस करेंगे। काफी समय से एक ही जगह पर कार्य कर रहे लोगों की सैलरी में इन्क्रीमेंट होगा। आज किसी खास रिश्तेदार के आगमन से घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी मित्र की उपलब्धियों का जश्न मनाएंगे। आज किसी कोर्ट केस में जीत हासिल होने से पूरे दिन आप प्रसन्न रहेंगे। घर में डेकोरेशन का काम करवाने का विचार बनायेंगे, जीवनसाथी से राय लेंगे। बिजनेसमैन आज आप किसी बड़े प्रोडक्ट की फ्रेंचाइजी लेने का मन बनायेंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप बेवजह की भाग दौड़ को अवॉयड करेंगे और अपने काम को पूरी एकाग्रता से करेंगे। आज घर में बेटी की बड़ी तरक्की से परिवार का माहौल खुशी से भरा रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। ऑफिस में स्टाफ के साथ अच्छे व्यवहार बना कर रखें, जिससे किसी जरूरी काम में आपको हर संभव मदद मिलती रहे। परिवार में किसी नन्हे मेहमान के आने से खुशी का माहौल बना रहेगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपको किसी सम्मानित व्यक्ति से मिलने का मौका मिलेगा। इस राशि के प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन धनलाभ देने वाला है।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए ख़ास रहने वाला है। आज किसी रिश्तेदार के आने से आपकी डेली रूटीन में कुछ बदलाव हो सकता है, लेकिन साथ ही घरवालों में उल्लास भी बना रहेगा। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

हर माँ घर लौटे–यही विकास की असली पहचान

[बदली व्यवस्था ने बचाई जिंदगियाँ, अब शून्य की बारी है]
[बदलाव ने उम्मीद जगाई है,अब एक भी माँ नहीं खोनी है]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

जब किसी माँ की जान बचती है, तो आँकड़े में एक संख्या घटती है, लेकिन किसी घर की पूरी दुनिया बच जाती है। 122 से 87 तक पहुँचा मातृ मृत्यु अनुपात इसी बदलाव का प्रमाण है। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की सतत विकास लक्ष्य प्रगति रिपोर्ट 2026 के अनुसार, 2015-17 में प्रति लाख जीवित जन्म पर 122 माताओं की मृत्यु होती थी, जो 2022-24 में घटकर 87 रह गई। 35 की यह कमी महज गणित नहीं; यह हर एक लाख जीवित जन्म पर 35 माताओं के बचने का अर्थ है। देशभर में इससे हजारों परिवारों की दुनिया सुरक्षित हुई है। हर घटती संख्या के पीछे एक बची माँ की साँस, बच्चे की सलामत गोद और परिवार का सुरक्षित भविष्य है।कभी प्रसव की राह में अस्पताल से पहले मजबूरियाँ खड़ी मिलती थीं। अस्पताल दूर, सड़क खराब, वाहन का भरोसा नहीं और पैसों की तंगी अलग संकट थी। अंधविश्वास और रूढ़ मान्यताएँ प्रसव को इलाज नहीं, किस्मत के भरोसे छोड़ देती थीं। कई बार घर ही प्रसव कक्ष बनता और जटिलता बढ़ने पर मदद देर से पहुँचती। अब तस्वीर बदल रही है। नियमित जाँच, आयरन की गोलियाँ, संस्थागत प्रसव और जरूरत पर एम्बुलेंस ने मातृत्व को सुरक्षित किया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और सुरक्षित मातृत्व अभियान ने भी यह भरोसा मजबूत किया है कि माँ को बचाना सुविधा नहीं, व्यवस्था की जिम्मेदारी है।

इस बदलाव की जड़ें उन गाँवों की मिट्टी में हैं, जहाँ इलाज की दूरी धीरे-धीरे घटकर लोगों की चौखट तक आ गई है। तपती दोपहर हो या स्याह रात, आशा कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं तक पहुँचती हैं, जाँच के लिए प्रेरित करती हैं, खतरे के संकेत समझाती हैं और जरूरत पड़ने पर अस्पताल पहुँचाती हैं। आंगनवाड़ी केंद्र पोषण और जागरूकता की कड़ी बनते हैं। नर्सें प्रसव कक्ष में रात-दिन डटी रहती हैं, डॉक्टर सीमित साधनों में भी जीवन बचाने की जद्दोजहद करते हैं। इसलिए मातृ मृत्यु में कमी किसी एक विभाग की उपलब्धि नहीं, बल्कि उन अनाम हाथों की साझा जीत है, जिन्होंने किसी माँ को मौत की देहरी तक पहुँचने से पहले थाम लिया।मातृ मृत्यु का घटता आँकड़ा दरअसल समाज की बदलती दृष्टि की कहानी भी कहता है। गर्भवती को समय पर अस्पताल पहुँचाना केवल उपचार तक पहुँचना नहीं, उसके जीवन को महत्व देना है। शिक्षित महिला खतरे के संकेत पहचानती है, सक्षम परिवार इलाज टालता नहीं और जागरूक समाज अंधविश्वास के बजाय विज्ञान का साथ चुनता है। इसलिए मातृ मृत्यु अनुपात में गिरावट स्वास्थ्य क्षेत्र की उपलब्धि भर नहीं, सामाजिक चेतना के बदलते चेहरे का आईना भी है। महिला को सिर्फ संतान जन्म देने वाली देह न मानकर अधिकार, स्वास्थ्य और सम्मान से पूर्ण मनुष्य समझना ही इस परिवर्तन की असली नींव है। संस्थागत प्रसव का 90 प्रतिशत से ऊपर पहुँचना इस बदलाव की गहराई को रेखांकित करता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के 2023-24 के आँकड़े इसकी स्पष्ट पुष्टि करते हैं। मातृ मृत्यु का घटता आँकड़ा सुकून देता है, मगर सवाल भी छोड़ जाता है—क्या 87 पर संतोष किया जा सकता है? 87 अब भी शून्य नहीं है। हर मातृ मृत्यु के पीछे एक घर की बुझी रोशनी, एक बच्चे की सूनी गोद और एक पति के कंधों पर अचानक बढ़ा जिम्मेदारियों का बोझ है। इसलिए 122 से 87 तक पहुँचना बड़ी उपलब्धि है, पर इसे मंजिल मान लेना भूल होगी। विकास केवल मृत्यु अनुपात घटने पर संतुष्ट हो जाना नहीं; विकास तब सार्थक होगा, जब प्रसव के दौरान किसी माँ की मृत्यु असामान्य और अस्वीकार्य मानी जाए—जीवन की अनिवार्य कीमत नहीं। मातृत्व सुरक्षा की असली कसौटी वहीं सामने आती है, जहाँ सुविधा की आखिरी सीमा समाप्त हो जाती है। पहाड़ी इलाकों, दूर-दराज जिलों और गरीब बस्तियों में आज भी अस्पताल तक पहुँचना आसान नहीं है। कहीं एम्बुलेंस देर से आती है, कहीं रक्त बैंक में पर्याप्त रक्त नहीं मिलता और कहीं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की कमी जटिल स्थिति को और गंभीर बना देती है। प्रसव की आपात स्थिति में कुछ मिनट भी जीवन-मृत्यु का फैसला कर सकते हैं। इसलिए योजनाएँ बनाना भर पर्याप्त नहीं; उनका ईमानदार क्रियान्वयन, मजबूत रेफरल व्यवस्था, पर्याप्त रक्त, प्रशिक्षित स्टाफ और तेज आपात सेवाएँ जरूरी हैं। आखिरी गाँव तक स्वास्थ्य सुविधा पहुँचाए बिना मातृ मृत्यु को निर्णायक रूप से घटाना संभव नहीं होगा। माँ को बचाने की जिम्मेदारी की पहली शर्त है—उसे अकेला न छोड़ना। गर्भावस्था और प्रसव को केवल महिला का दायित्व मानने वाली सोच बदलनी होगी। पति पत्नी की नियमित जाँच को उतनी ही गंभीरता से ले, जितनी किसी जरूरी पारिवारिक जरूरत को। सास बहू की कमजोरी को 'सामान्य' कहकर न टाले, डॉक्टर की सलाह माने।

परिवार गर्भवती के पोषण, आराम और उपचार को खर्च नहीं, भविष्य में किया गया निवेश समझे। मातृत्व सुरक्षा तभी मजबूत होगी, जब समाज माने कि माँ को बचाने की जिम्मेदारी केवल माँ की नहीं—परिवार, समुदाय और शासन की भी है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शनिवार, 05 सितम्बर 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

मेलोनी को मोदी की बधाई, कहा- भारत-इटली साझेदारी मजबूत करने में आपकी मित्रता की अहम भूमिका

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को देश के इतिहास में युद्ध के बाद सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री पद पर बने रहने की उपलब्धि पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह उपलब्धि इटली के लोगों के उनके नेतृत्व के प्रति भरोसे और विश्वास को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जॉर्जिया मेलोनी की मित्रता ने भारत और इटली के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने दोनों देशों के लोगों के लिए समृद्ध भविष्य के निर्माण की दिशा में मिलकर काम जारी रखने की प्रतिबद्धता भी जताई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में जॉर्जिया मेलोनी को बधाई देते हुए कहा कि इटली के इतिहास में युद्ध के बाद सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री पद पर बने रहना उनके नेतृत्व में इटली के लोगों के विश्वास को दर्शाता है।उन्होंने कहा, इटली के इतिहास में युद्ध पश्चात सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर मेरी दोस्त प्रधानमंत्री मेलोनी को बधाई। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व पर इटली के लोगों के भरोसे और विश्वास को दिखाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि जॉर्जिया मेलोनी की मित्रता ने भारत-इटली विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के लोगों के लिए एक समृद्ध भविष्य बनाने के लिए भारत और इटली के बीच करीबी सहयोग को आगे भी जारी रखने को लेकर वह उत्साहित हैं। प्रधानमंत्री ने जॉर्जिया मेलोनी के आने वाले वर्षों में निरंतर सफलता की कामना भी की।

कचरा बीनने वाले श्रमिकों को मिले 'नमस्ते' और आयुष्मान कार्ड, रामदास अठावले ने किया कार्यक्रम का उद्घाटन

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के नजफगढ़ जोन के कचरा बीनने वाले श्रमिकों को 'नमस्ते' कार्ड जारी करने के कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मटियाला स्थित एमसीडी सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थी श्रमिकों को आयुष्मान कार्ड भी वितरित किए गए।यह पहल राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र कार्ययोजना (नमस्ते) के तहत कचरा बीनने वाले श्रमिकों को औपचारिक पहचान देने और उन्हें सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 'नमस्ते' योजना का उद्देश्य देशभर में स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा, गरिमा और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करना है।कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कचरा बीनने वाले श्रमिकों को 'नमस्ते' कार्ड के साथ आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किए। इससे इस महत्वपूर्ण कार्यबल को स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी। स्वच्छता व्यवस्था में श्रमिकों के योगदान की सराहनाअपने संबोधन में रामदास अठावले ने भारतीय शहरों को स्वच्छ रखने में कचरा बीनने वाले श्रमिकों के अथक योगदान की सराहना की।

ऑनलाइन मंगाए अंडे को फोड़ते ही निकला जिंदा कीड़ा, ग्राहक के उड़े होश, मंत्री तक पहुंची बात तो स्टोरेज सेंटर हुआ सील

मंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के मंगलुरु में क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से खाद्य सामग्री मंगाने वाले एक ग्राहक को उस वक्त भयानक सदमे का सामना करना पड़ा, जब ऑनलाइन ऑर्डर किए गए अंडे के भीतर से कीड़ा निकल आया। अंडे के अंदर कीड़ा रेंगता देख ग्राहक के होश उड़ गए और उसने तुरंत मामले की शिकायत स्वास्थ्य मंत्री यूटी खादर से कर दी। मंत्री के दखल के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग (फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट) हरकत में आया और आनन-फानन में ऑनलाइन रिटेल सुविधा केंद्र पर बड़ा छापा मार दिया।

टूटे अंडों के पैकेट देख भड़के अधिकारी, स्टोरेज रूम कराया बंद

शिकायत मिलते ही फूड सेफ्टी अधिकारियों की एक टीम ने शहर के पॉश फाल्नीर इलाके में फाल्नीर स्क्वायर स्थित ऑनलाइन रिटेल सुविधा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। छापेमारी के दौरान वेयरहाउस में भारी अनियमितताएं सामने आईं। अधिकारियों को वहां टूटे-फूटे अंडों के कई पैकेट लावारिस हालत में रखे मिले। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए खाद्य सुरक्षा टीम ने फौरन कर्मचारियों को प्रभावित पैकेटों को नष्ट करने का आदेश दिया। इसके साथ ही पूरे खाद्य भंडारण क्षेत्र की गहन सफाई और सैनिटाइजेशन सुनिश्चित करने के लिए स्टोरेज रूम को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया।

लापरवाही पर थमाया जाएगा नोटिस, कड़ी कार्रवाई की तैयारी

अंडों में कीड़े निकलने और खराब स्टोरेज मैनेजमेंट को लेकर विभाग ने सख्त रुख अख्तियार किया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों का कहना है कि सुविधा केंद्र के प्रबंधन को आधिकारिक कारण बताओ नोटिस भेजा जा रहा है। कंपनी से पूरे मामले पर लिखित स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। अधिकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जांच में सामने आए तथ्यों और प्रबंधन के जवाब की समीक्षा के बाद प्लेटफॉर्म के खिलाफ सख्त दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे ताकि आम लोगों की सेहत के साथ ऐसा खिलवाड़ दोबारा न हो।

ईओएस-05 के सफल प्रक्षेपण पर प्रधानमंत्री ने इसरो को दी बधाई, कहा- देश के लिए गर्व का क्षण

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईओएस-05 उपग्रह को लेकर जीएसएलवी-एफ17 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की सराहना की है। उन्होंने इस उपलब्धि को देश के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और बढ़ती क्षमताओं को दर्शाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ईओएस-05 को ले जा रहे जीएसएलवी-एफ17 का सफल प्रक्षेपण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि ईओएस-05 भू-समकालिक कक्षा से भारत का पहला इमेजिंग उपग्रह है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की लगातार बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। श्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में इसरो और देश के उद्योग जगत के बीच बढ़ती साझेदारी की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि इसरो और भारतीय उद्योग के बीच मजबूत होता सहयोग देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ताकत और विस्तार प्रदान कर रहा है। इससे पूरे अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की क्षमताओं को और मजबूती मिल रही है।प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि इसरो की यह एक और शानदार उपलब्धि है और पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि जीएसएलवी-एफ17 द्वारा ईओएस-05 का सफल प्रक्षेपण भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र की उत्कृष्टता, नवाचार और बढ़ती क्षमताओं को प्रतिबिंबित करता है।

प्रधानमंत्री ने इसरो और भारतीय उद्योग के बीच बढ़ते सहयोग को देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे भारत की अंतरिक्ष क्षेत्र में क्षमताएं लगातार बढ़ रही हैं।

जन्माष्टमी पर प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं, भगवान श्रीकृष्ण को बताया दिव्यता का प्रतीक

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन्माष्टमी के पावन अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य संदेशों को निस्स्वार्थ कर्म की प्रेरणा का स्रोत बताते हुए कहा कि उनके उपदेशों ने मानवता का निरंतर मार्गदर्शन किया है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई पोस्ट साझा कर भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कामना की कि भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और उपासना को समर्पित यह पावन अवसर सभी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति का संचार करे।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, आप सभी को जन्माष्टमी की अनेकानेक शुभकामनाएं। भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य संदेशों में नि:स्वार्थ कर्म की अद्भुत प्रेरणा निहित है, जिसने मानवता का निरंतर मार्गदर्शन किया है। उनकी भक्ति और उपासना को समर्पित यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और शक्ति का संचार करे, यही कामना है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में पूजा-अर्चना की.

भारत की ओर से नेपाल को मदद जारी, दो सी-130 जे विमान 21.5 टन राहत सामग्री लेकर काठमांडू उतरे

नई दिल्ली,(आरएनएस)। नेपाल के लिए भारत की ओर से मानवीय सहायता जारी है। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के पीड़ितों की मदद के लिए भारत ने दो और सी-130जे विमान राहत सामग्री के साथ भेजे हैं। इन विमानों के जरिए 21.5 टन राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई गई है। गुरुवार रात राहत सामग्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्री महाबीर पुन को सौंपी गई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि भारत ने नेपाल के लिए अपनी मानवीय सहायता जारी रखते हुए दो और सी-130जे विमान राहत सामग्री के साथ भेजे हैं।उन्होंने बताया कि इन विमानों के जरिए 21.5 टन राहत सामग्री नेपाल पहुंचाई गई है, जिसमें फोरेंसिक किट और चिकित्सा सामग्री भी शामिल है। राहत सामग्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्री महाबीर पुन को सौंपी दी गई है। जायसवाल ने कहा कि यह अतिरिक्त सहायता नेपाल में चल रहे राहत और बचाव कार्यों को और मजबूत करेगी तथा बाढ़ से प्रभावित लोगों और समुदायों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने एक बार फिर संकट की इस घड़ी में नेपाल के साथ अपनी एकजुटता दिखाते हुए राहत कार्यों में सहयोग जारी रखा है।नेपाल के इस मुश्किल समय में भारत लगातार मदद का हाथ बढ़ाए हुए है। इससे पहले भी अलग-अलग तारीखों में भारत की ओर से पांच विमान नेपाल राहत सामग्री पहुंचा चुके हैं।

विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस की उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने बधाई दी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, हिन्दू एकता के संकल्प, सनातन संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्र जागरण के पुनीत ध्येय को समर्पित विश्व हिन्दू परिषद के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं एवं सनातन साधकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं! संगठित एवं समतामूलक हिन्दू समाज के निर्माण, सशक्त राष्ट्र और सनातन मूल्यों के संवर्धन हेतु विहिप की अविराम साधना हम सभी के लिए प्रेरणापुंज है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सनातन संस्कृति, सेवा और समाज हित के लिए निरंतर कार्यरत विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। विहिप ने सेवा, संस्कार और सामाजिक एकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए समाज को जागरूक और संगठित करने का निरंतर प्रयास किया है। परिषद द्वारा किए जा रहे कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर लिखा, विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस पर सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

सीजेपी का पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने पर प्रदर्शन, सौरव दास बोले-2800 अपराधियों पर क्यों नहीं हुई कार्रवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता निशु आजाद के पिता संजय कुमार के साथ हुई मारपीट के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। इस मामले को लेकर दिल्ली में फिर से प्रदर्शन शुरू हो गया है। सीजेपी के नेता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका अपनी कार्यकर्ता निशु आजाद और उनके पिता संजय के लिए न्याय की मांग को लेकर नई दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे। इस दौरान निशु आजाद भी थाने पहुंचीं। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने मीडिया से कहा कि जंतर-मंतर पर जब उनका शांतिपूर्ण प्रदर्शन चल रहा था, तब वहां हिंसा हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आपराधिक गैंग दिल्ली में पहले से हिंसा करती आ रही है।

उन्होंने कहा, ये लोग इतने समय से दिल्ली में खुलेआम क्यों घूम रहे हैं, ये हमारी समझ से परे है। दिल्ली पुलिस बार-बार कह रही थी कि जंतर-मंतर पर 2,800 से ज्यादा घोर अपराधियों की पहचान की गई तो आप उन लोगों को ये छूट क्यों देना चाह रहे हैं? हमने कहा कि उन 2,800 अपराधियों की पहचान की जाए और यदि उन्होंने कोई संगीन अपराध किया है तो आप उनके खिलाफ कार्रवाई करें, जेल में डालें। क्या कानून व्यवस्था दिल्ली में इतनी दुर्बल हो गई है? दिल्ली पुलिस को जवाब देना चाहिए।

सौरव दास ने कहा कि आज वे इसलिए आए हैं क्योंकि उस घटना के बाद से अब तक दिल्ली पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पहले दिन से वे सभी छात्रों के साथ खड़े हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। उनकी मांग है कि जो 2,800 गुंडे आए थे, उनकी पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

वही, सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान उनकी साथी निशु के पिता संजय आजाद के साथ मारपीट हुई और उनका सिर फोड़ा गया। यह घटना खुलेआम हुई।

आशुतोष रांका ने कहा, लगातार हमारी टीम और सौरव दिल्ली पुलिस से मांग करते रहे कि इन गुंडों को गिरफ्तार करें, इन पर हत्या के प्रयास का चार्ज लगाएं लेकिन दिल्ली पुलिस सोती रही। अब देश की राजधानी में हालात ऐसे हो गए हैं कि गुंडे ये खुलेआम कबूल कर रहे हैं कि उन्होंने संजय का सिर फोड़ा और उनकी पूरी कोशिश उन्हें जान से मारने की थी।

उन्होंने कहा कि आरोपी खुद कबूल कर रहा है कि उस पर हत्या के प्रयास का केस बनता था लेकिन दिल्ली पुलिस ने उस व्यक्ति के साथ कुछ नहीं किया। आज देश और लोकतंत्र के लिए शर्मनाक दिन है जहां खुलेआम गुंडागर्दी करने वाले दावा करता है कि उसने किसी को जान से मारने का प्रयास किया लेकिन उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सीजेपी ने मांग की है कि जिन लोगों ने खुद अपनी पहचान बताई है, उन्हें गिरफ्तार किया जाए और उन पर हत्या के प्रयास समेत सभी संगीन धाराएं लगाई जाएं।

बाबर-औरंगजेब में विश्वास रखने वाले आपकी आस्था का सम्मान नहीं कर सकते : सीएम योगी

मथुरा, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर शुक्रवार को विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिन लोगों की आस्था बाबर और औरंगजेब में है, वे सनातन और देश की आस्था का सम्मान नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग समाज में जहर घोलने और युवाओं, बहन-बेटियों, किसानों तथा उद्यमियों के हितों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन डबल इंजन की सरकार उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी। सीएम योगी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। करीब 30 मिनट तक जन्मस्थान परिसर में रहने के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा भी की। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि यह सरकार श्रीकृष्ण कन्हैया, प्रभु श्रीराम, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यवासिनी में आस्था रखती है, लेकिन जिनकी आस्था बाबर और औरंगजेब में होगी, क्या वे आपकी आस्था का सम्मान कर पाएंगे? उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की आदत समाज में विष घोलने की रही है, जिससे समाज विरोधी और राष्ट्र विरोधी तत्वों के हौसले बढ़ सकें। ऐसे तत्व युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने, बहन-बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने, किसानों की खुशहाली पर डकैती डालने और कारीगरों एवं हस्तशिल्पियों को फिर से लाचार बनाने का प्रयास कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार उनके इन मंसूबों पर पानी फेर देगी और उन्हें कभी सफल नहीं होने देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में करीब 500 वर्ष पहले विदेशी आक्रांता ने हमारी आस्था को समाप्त करने का प्रयास किया था। जो लोग स्वयं को अविजित मानते थे, वे आज समाप्त हो चुके हैं। सनातन की आस्था को मिटाने का अनेक बार प्रयास हुआ, लेकिन कोई इसे समाप्त नहीं कर पाया। जिन्होंने ऐसा दुस्साहस किया, वे स्वयं मिट्टी में मिल गए और आज उनका नाम लेने वाला भी कोई नहीं है।सीएम योगी ने आगे कहा कि भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा है और ऐसे लोग अयोध्या को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि अयोध्या और काशी की तरह मथुरा-वृंदावन में भी भव्य परिसर विकसित हो और पूरे ब्रज क्षेत्र का विकास लोगों की भावनाओं के अनुरूप किया जाए।

विशेष अभियान में 3,800 से अधिक बच्चे बाल मजदूरी से मुक्त, 575 से ज्यादा एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, (आरएनएस)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने बाल मजदूरी और बाल तस्करी के खिलाफ चलाए गए विशेष अखिल भारतीय बचाव एवं पुनर्वास अभियान के दौरान 3,800 से अधिक बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त कराया। अभियान के दौरान 575 से अधिक प्राथमिकी भी दर्ज की गईं।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत कार्यरत वैधानिक संस्था एनसीपीसीआर ने यह विशेष अभियान 12 जून 2026 को शुरू किया था, जो 31 अगस्त तक चला। अभियान का उद्देश्य बाल मजदूरी में लगे बच्चों तथा तस्करी और विभिन्न प्रकार के शोषण के शिकार बच्चों की पहचान कर उन्हें बचाना और पुनर्वास सुनिश्चित करना था।

एनसीपीसीआर ने इस अभियान के लिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन, जिलाधिकारियों, श्रम विभागों, पुलिस अधिकारियों तथा अन्य संबंधित पक्षों के साथ समन्वय किया। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को बाल मजदूरी और बाल तस्करी वाले स्थानों की पहचान कर वहां गहन एवं लक्षित बचाव अभियान चलाने के निर्देश दिए।आयोग ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बचाव अभियानों, मुक्त कराए गए बच्चों, दर्ज प्राथमिकी, पुनर्वास, पुनर्स्थापना, बच्चों को मुख्यधारा की शिक्षा से जोड़ने, मुआवजा तथा बचाव के बाद किए गए अन्य उपायों से संबंधित आंकड़े नियमित रूप से उपलब्ध कराने को कहा। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन और क्षेत्रीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए एनसीपीसीआर ने जिला प्रशासन के साथ बैठकें भी कीं। इन बैठकों में बचाव अभियानों की प्रगति की समीक्षा, परिचालन संबंधी बाधाओं को दूर करने, कार्रवाई रिपोर्ट समय पर जमा कराने तथा संबंधित विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

नेपाल बाढ़ में 600 बच्चे लापता; स्कूल नष्ट, संचार व्यवस्था ठप होने से तलाशी में परेशानियां

काठमाण्डू,(आरएनएस)। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं। इनमें करीब 600 बच्चे हैं, जिन्हें ढूंढने में खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जिन स्कूलों से अधिकारियों को बच्चों का पता लगाने में मदद मिलती थी, वे या तो बह गए हैं या नष्ट हो गए हैं। साथ ही ठप पड़े संचार नेटवर्क ने भी बच्चों की तलाशी के काम को और मुश्किल बना दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कम से कम 12 स्कूल पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। इनमें से 4 रसुवा और 8 नुवाकोट में हैं। बचाव अभियान 9 दिनों से जारी है, लेकिन इन दोनों जिलों से करीब 600 बच्चों का अभी तक कोई पता नहीं है।संचार व्यवस्था ठप होने से लापता लोगों खासतौर पर बच्चों के सत्यापन प्रक्रिया में मुश्किलें आ रही हैं। इसके चलते अधिकारी स्कूलों, अधिकारियों, परिवारों और बचाव दल से मिली अधूरी जानकारी पर निर्भर हैं।नुवाकोट शिक्षा विकास एवं समन्वय इकाई के प्रमुख सूर्य बहादुर खत्री ने कहा, हम लापता छात्रों के सत्यापित आंकड़े जुटाने के लिए प्रधानाध्यापकों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क में हैं, लेकिन संचार व्यवस्था ठप होने से परेशानी आ रही है। हालांकि कुछ लापता छात्रों का पता लगा लिया गया है, लेकिन स्कूलों से लापता बच्चों की नई रिपोर्टें लगातार आ रही हैं। अनुमान है कि हमारे जिले में करीब 300 छात्र लापता हैं।यूनिसेफ ने अनुमान लगाया है कि रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग में आई अचानक बाढ़ से कम से कम 17,000 बच्चे प्रभावित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि आपदा के तुरंत बाद बच्चों को मानवीय सहायता की तत्काल जरूरत है।

ऑस्ट्रेलियाः सिडनी में मिला बर्ड फ्लू के खतरनाक एच5एन1 स्ट्रेन का मिला पहला मामला

सिडनी (आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बर्ड फ्लू के खतरनाक एच5एन1 स्ट्रेन का पहला कन्फर्म केस रिपोर्ट किया गया है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की कृषि मंत्री तारा मोरियार्टी ने पत्रकारों को बताया कि अगस्त के आखिर में सिडनी के नॉर्दर्न बीच में मिले एक 'ग्रेटर क्रेस्टेड टर्न' (एक तरह का समुद्री पक्षी) में टेस्टिंग के दौरान एच5एन1 स्ट्रेन का पता चला।जून में इस खतरनाक स्ट्रेन के ऑस्ट्रेलिया की मुख्य भूमि पर पहुंचने के बाद सिडनी में यह पहला कन्फर्म केस है। मोरियार्टी ने कहा कि जिन सिडनी निवासियों के पास पालतू पक्षी या मुर्गियां हैं, उन्हें जंगली पक्षियों के संपर्क में आने से बचने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए और जिनके पास कुत्ते हैं, उन्हें यह निश्चित करना चाहिए कि वे मरे हुए जानवरों के शव न खाएं या जंगली पक्षियों का पीछा न करें।

एस्टोनिया के रक्षा मंत्री ने भारतीय कंपनी के साथ रक्षा सौदा घोटाले के बीच इस्तीफा दिया

टालिन,(आरएनएस)। एस्टोनिया के रक्षा मंत्री हन्नो पेवकुर ने भारतीय कंपनी के साथ रक्षा सौदे से जुड़े घोटाले के मामले में बुधवार शाम को इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा तब दिया, जब राष्ट्रीय लेखा परीक्षकों ने उनके मंत्रालय पर खर्च में अनियमितताओं और यूक्रेन के लिए गोला-बारूद की खरीद में घोटाले का आरोप लगाया था। यह सौदा 7 करोड़ यूरो (लगभग 768 करोड़ रुपये) का बताया जा रहा है। पेवकुर ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दिया है।

पेवकुर ने इस्तीफा देते हुए कहा, रक्षा मंत्री के तौर पर, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि मैं अपने अधीन पूरे क्षेत्र के लिए जिम्मेदार हूं और अगर आप उस बड़े जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो निश्चित रूप से, एक नेता में राजनीतिक जिम्मेदारी निभाने का साहस और सामर्थ्य होना चाहिए।

2022 से रक्षा मंत्री के पद पर कार्यरत पेवकुर ने कहा, मैं जिम्मेदारी लूंगा और प्रधानमंत्री को नया रक्षा मंत्री ढूंढना होगा।

एस्टोनिया ने यूक्रेन के लिए गोला-बारूद की खरीद का सौदा इटली की कंपनी डेटासेल एसआरएल से किया था, जिसे भारत की नेको डिफेंस मुनिशन्स ने 2024 में अधिग्रहित किया था।

एस्टोनिया ने कंपनी को 768 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान किया, जो यूरोपीय संघ की यूरोपीय शांति सुविधा से ली थी।

सौदे के बाद गोला-बारूद पहुंचने में देरी हुई और जो पहुंचा वो 2025 की जांच में फेल हो गए। कंपनी को गोला-बारूद बनाने का अनुभव भी नहीं था।

पाकिस्तान सेना पर बड़ा हमला, 25 सैनिकों की मौत, बीएलए ने 2 जगह आर्मी को बनाया निशाना

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। बीएलए ने पाकिस्तान सेना पर बड़ा हमला किया है. बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान में दो अलग-अलग हमले करने का दावा किया है. संगठन के मुताबिक, इन हमलों में 25 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गए और तीन सैन्य वाहन नष्ट हुए.

बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने बताया कि पहला हमला जियारत क्रॉस के पास एक सैन्य काफिले पर किया गया. उनके मुताबिक, काफिले में चार वाहन थे, जिनमें से दो को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया गया. बीएलए ने दावा किया कि इस हमले में 18 जवान मारे गए, जबकि पांच घायल जवान वहां से भागने में कामयाब रहे. संगठन ने दावा किया कि हमले के बाद उसके लड़ाकों ने काफिले से हथियार भी अपने कब्जे में ले लिए। बीएलए के मुताबिक, इस कार्रवाई में उसकी फतेह स्क्वाड शामिल थी. बीएलए ने अपने मीडिया चैनल हक्कल पर 1 मिनट 11 सेकंड का एक वीडियो ट्रेलर भी जारी किया है.

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा-अमेरिका और ईरान के बीच तनाव युद्ध नहीं है

वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान के साथ चल रहा तनाव कोई युद्ध नहीं है, क्योंकि सक्रिय गोलाबारी नहीं हो रही। व्हाइट हाउस में ब्रीफिंग के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि यह संघर्ष कब तक खत्म होगा, इसकी कोई निश्चित समयसीमा वह नहीं जानते। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव से पहले इसके समाप्त होने के आसार कम हैं। वेंस ने ईरान के सिरिक में शादी समारोह पर हुई बमबारी की जांच की बात कही है।

वेंस ने कहा कि अमेरिका ने महीनों पहले बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान बंद कर दिया था और मौजूदा संघर्ष युद्ध की श्रेणी में नहीं आता।

उन्होंने कहा, मैं इसे युद्ध नहीं कहूंगा। अभी कोई सक्रिय गोलीबारी नहीं हो रही है। मैं मानता हूं कि कुछ जगहों पर यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

युद्ध समाप्ति की समयसीमा पर वेंस ने कहा कि उन्हें इसका जवाब नहीं पता, लेकिन ईरानियों से

पूछना चाहिए कि वो जहाजों पर हमले कब बंद करेंगे।

वेंस ने होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल परिवहन को सुविधाजनक बनाने के लिए अमेरिकी प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि वाशिंगटन का ध्यान अब यह सुनिश्चित करने पर है कि तेहरान वाणिज्यिक तेल परिवहन में बाधा डालना जारी न रख सके।

उन्होंने ईरान के साथ बातचीत को लेकर कहा कि जब तक जहाजों पर हमला बंद नहीं होता, तब तक बातचीत स्थगित रहेगी। उन्होंने कहा,, हम ईरान से कोई बातचीत नहीं कर रहे हैं।

वेंस ने ईरान के सिरिक काउंटी में एक शादी समारोह वाले घर में मिसाइल हमले से जुड़ी खबर को संदेहास्पद बताया और कहा कि अमेरिका इसकी जांच करेगा।

ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने मंगलवार को बताया कि शादी वाले घर में मिसाइल के छर्रे गिरने से 5 लोगों की मौत हुई है, जिसमें एक बच्चा भी शामिल है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाक़ाई ने इसे युद्ध अपराध घोषित किया। उसी दिन ईरान ने भी अमेरिका पर हमला किया।

रूस के 2 जहाजों पर ड्रोन हमला, कराची जाने वाले जहाज पर सवार थे 23 भारतीय

मॉस्को,(आरएनएस)। रूस के दो समुद्री जहाजों को ड्रोन हमलों में निशाना बनाए जाने की खबर सामने आई है। पहला हमला रूस के नोवोरोस्सिय्स्क बंदरगाह से पाकिस्तान के कराची जा रहे एक मालवाहक जहाज पर हुआ, जबकि दूसरा हमला सोची बंदरगाह पर खड़े एक रूसी सहायक जहाज पर किए जाने की जानकारी सामने आई है। कराची जा रहे मालवाहक जहाज में 23 भारतीय नाविक सवार बताए जा रहे हैं। राहत की बात यह है कि दोनों घटनाओं में किसी के घायल होने या हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, रूसी मालवाहक जहाज एमवी बैरियन नोवोरोस्सिय्स्क बंदरगाह से कराची के लिए रवाना हुआ था। यात्रा के दौरान जहाज को ड्रोन से निशाना बनाए जाने की खबर है।

बताया जा रहा है कि ड्रोन जहाज के उस हिस्से में गिरा, जहां चालक दल के सदस्य रहते हैं। हमले के बाद जहाज में आग लग गई। हालांकि, आग पर तत्काल काबू पा लिया गया और इसके लिए बाहरी सहायता की आवश्यकता नहीं पड़ी।

जहाज पर किस देश का ध्वज लगा था और उसका स्वामित्व किसके पास है, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। जहाज में सवार सभी 23 भारतीय नाविकों के सुरक्षित होने की बात कही जा रही है।

दूसरी घटना रूस के सोची बंदरगाह पर हुई। यूक्रेनी नौसेना ने शुक्रवार को दावा किया कि उसने रूसी सहायक जहाज नेफ्ति को मानवरहित समुद्री ड्रोन के जरिए निशाना बनाया है।

फीचर

मानसून के दौरान बालों का रंग क्यों पड़ जाता है फीका? जानिए कारण

मानसून के दौरान बालों का रंग फीका पड़ जाता है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि बारिश का गंदा पानी और अधिक नमी। अगर आप भी इस बदलाव से परेशान हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कारण बताते हैं, जिनके कारण बालों का रंग मानसून के दौरान फीका पड़ सकता है। साथ ही इससे बचने के लिए प्रभावी तरीके भी बताते हैं।

बारिश का गंदा पानी

बारिश का पानी अक्सर गंदा होता है क्योंकि यह हवा में मौजूद धूल-मिट्टी और प्रदूषण को अपने साथ ले आता है। जब यह गंदा पानी आपके बालों पर गिरता है तो यह बालों की चमक को कम कर सकता है और रंग को भी प्रभावित कर सकता है। इससे बचने के लिए बारिश में बाहर निकलते समय अपने सिर को ढककर रखें। साथ ही घर लौटने के बाद अपने बालों को अच्छे से धोएं।

अधिक नमी का असर

मानसून के दौरान वातावरण में अधिक नमी होती है, जो बालों को कमजोर कर सकती है और उनके रंग को फीका कर सकती है। नमी के कारण बाल अधिक फिसलन वाले हो जाते हैं, जिससे बाल टूटने लगते हैं और उनका रंग भी प्रभावित होता है। इसके अलावा नमी के कारण बाल चिपचिपे भी हो सकते हैं। इससे बचने के लिए बालों को नियमित रूप से धोएं और सही तरीके से पोषण दें।

सही उत्पादों का न इस्तेमाल होना

बालों की देखभाल के लिए सही उत्पादों का चुनाव बहुत जरूरी होता है। मानसून में ऐसे शैंपू और कंडीशनर का इस्तेमाल करें, जो बालों को नमी प्रदान करें और उनकी चमक बनाए रखें।इसके अलावा हेयर मास्क और तेल भी बालों को पोषण देने में मदद करते हैं।इसके साथ ही बालों को धोने के बाद उन्हें अच्छे से सुखाएं क्योंकि गीले बाल अधिक कमजोर होते हैं और उनका रंग भी खराब हो सकता है।

सूरज की हानिकारक किरणों का असर

मानसून के दौरान भी सूरज की हानिकारक किरणें बालों पर बुरा असर डाल सकती हैं, खासकर अगर आप अधिक समय बाहर बिताते हैं। सूर्य की किरणें बालों की प्रोटीन को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे उनका रंग फीका पड़ सकता है और वे कमजोर हो सकते हैं। इसलिए जब भी आप बाहर जाएं तो अपने सिर को ढककर रखें या फिर छाते का उपयोग करें।

रासायनिक उत्पादों का उपयोग

कुछ लोग मानसून में रासायनिक युक्त हेयर डाई का इस्तेमाल करते हैं ताकि वे अपने बालों को चमकदार बना सकें, लेकिन इनका लंबे समय तक उपयोग करने से बाल कमजोर हो सकते हैं। इसलिए इनका उपयोग करने से बचें। अगर आप अपने बालों का रंग बदलना चाहते हैं तो प्राकृतिक रंगों का चुनाव करें। इसके लिए आप हिना का इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर प्राकृतिक रंग किट का चयन कर सकते हैं।

तापसी पन्नू एक ही जैसे किरदारों से झल्लाईं, बोलीं- अब मुझ पर जरा रहम कर लो

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने पिंक. थ्रिलर व ड्रामा फिल्मों में निभाई हैं। पर्दे पर महिलाओं के दमदार तापसी इन गंभीर चाहती हैं। अपनी बीच तापसी ने अब पर्दे पर मजेदार और कॉमेडी काम

तापसी पन्नू कि वो हल्की- चाहतीं।

वो तो बस हैं कि वे उनकी पुरानी

तापसी ने कहा, कृपया करें और कुछ हल्का-फुल्का ऑफर रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करने के लिए बेहद उत्सुक हूं।तापसी का मानना है कि जब कोई कलाकार किसी खास जॉनर में सफल हो जाता है तो इंडस्ट्री उसे उसी सांचे में ढालने में ही सहज महसूस करने लगती है।उन्होंने कहा, हमारी इंडस्ट्री में रचनात्मक सोच की थोड़ी कमी है। जब निर्माता देखते हैं कि कोई एक्टर किसी खास तरह के रोल या जॉनर में अच्छा कर रहा है तो वे एक ही ढर्रे पर चलते है और उसे बार-बार उसी तरह की दुनिया में कास्ट करते रहते हैं।

तापसी ने बताया कि उन्होंने टाइपकास्ट होने से बचने के लिए सोच-समझकर कदम उठाया है।

एक ही तरह के किरदारों से दूरी बनाने के लिए अभिनेत्री कई जांच-पड़ताल वाली और मारधाड़ वाली फिल्में ठुकरा दी।

हसीन दिलरुबा, अस्सी और थप्पड़ जैसी एक से बढ़कर एक गंभीर भूमिकाएं मुश्किल परिस्थितियों से जूझती किरदार निभाने के बाद अब किरदारों से ब्रेक लेना फिल्म गांधारी के प्रचार के इच्छा जताई है कि वो कुछ हल्का-फुल्का, एक बेहतरीन रोमांटिक- करना चाहती हैं।

ने कहा कि ऐसा नहीं है फुल्की फिल्में नहीं करना

निर्देशकों का इंतजार कर रही छवि से बाहर सोचें।

लोगों से कहिए कि मुझ पर थोड़ा रहम करें। मैं खुद भी पर्दे पर एक बेहतरीन

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया को मिली दूसरी फिल्म, अभिनेता रोशन मैथ्यू संग जमेगी जोड़ी

अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया ने निर्देशक श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस से डेब्यू किया था। साल के पहले ही दिन रिलीज हुई इस बायोपिक ड्रामा में उनके साथ अगस्त्य नंदा मुख्य किरदार में शामिल थे। अब खबर है कि सिमर को अपने करियर की दूसरी फिल्म मिल गई है,

जो एक रोमांटिक कॉमेडी होगी। इसका निर्माण आयुष माहेश्वरी अपने बीएलएम पिक्चर्स बैनर के तहत करेंगे, जिसने पहले धक-धक और यारियां 2 जैसी फिल्मों का सह-निर्माण किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिना नाम वाली इस रोमांटिक कॉमेडी में सिमर के साथ, मलयालम सिनेमा के अभिनेता रोशन मैथ्यू मुख्य किरदार में होंगे।

फिल्म के निर्देशन की कमान अधिराज बोस संभालेंगे, जिन्होंने एक थी डायन और तलवार जैसी फिल्मों में बतौर सहायक निर्देशक अपना योगदान दिया है। वह इस परियोजना से फीचर फिल्म निर्देशन में डेब्यू करेंगे।परियोजना की शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू होगी। निर्माताओं का लक्ष्य इसे 2027 के मध्य में सिनेमाघरों में रिलीज करना है।

रिपोर्ट के अनुसार, सिमर और मैथ्यू की यह फिल्म एक दिल छू लेने वाली, चरित्र-प्रधान रोमांटिक ड्रामा बताई जा रही है, जिसमें भावनात्मक पहलुओं को कॉमेडी में पिरोकर बड़ी ही खूबसूरती के साथ पेश किया गया है।

निर्माता दोनों कलाकारों को एक नई रोमांटिक जोड़ी के रूप में पर्दे पर उतारना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि फिल्म मजेदार होने के साथ-साथ एक मनोरंजक प्रेम कहानी भी हो।

फ्रिसबी या बैडमिंटन? हाथ-आंख का संतुलन सुधारने में कौन-सा खेल है बेहतर?

हाथ-आंख का संतुलन हमारे रोजमर्रा के जीवन का अहम हिस्सा है। यह कौशल हमें न केवल खेलों में बल्कि अन्य गतिविधियों में भी मदद करता है। फ्रिसबी और बैडमिंटन दो ऐसे खेल हैं, जो हाथ-आंख के संतुलन को सुधारने में मदद कर सकते हैं। इस लेख में हम इन दोनों खेलों के फायदे और नुकसान पर चर्चा करेंगे ताकि आप अपने लिए सही चयन कर सकें और अपने हाथ-आंख के संतुलन को बेहतर बना सकें।

फ्रिसबी के फायदे

फ्रिसबी एक ऐसा खेल है, जो टीम वर्क और सामंजस्य को बढ़ावा देता है।जब आप फ्रिसबी खेलते हैं तो आपको गेंद को सही तरीके से पकड़ना और फेंकना सीखना पड़ता है, जिससे आपका हाथ-आंख का संतुलन सुधरता है।

इसके अलावा यह खेल बाहर खेलने का मौका देता है, जिससे आप ताजगी महसूस करते हैं और शारीरिक सक्रियता बढ़ती है।फ्रिसबी खेलने से आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ समय बिताने का भी आनंद ले सकते हैं।

बैडमिंटन का महत्व

बैडमिंटन एक तेज़ी से खेलने वाला खेल है, जिसमें तेजी से निर्णय लेना पड़ता है और सही समय पर सही कदम उठाना

होता है। इससे आपका हाथ-आंख का संतुलन काफी सुधरता है।

बैडमिंटन खेलने से न केवल आपकी शारीरिक फिटनेस बढ़ती है बल्कि मानसिक एकाग्रता भी मजबूत होती है।

यह खेल आपको तेज प्रतिक्रिया क्षमता विकसित करने में मदद करता है, जिससे अन्य गतिविधियों में भी आपको लाभ होता है।

दोनों खेलों का तुलना

फ्रिसबी और बैडमिंटन दोनों ही अपने-अपने तरीके से हाथ-आंख के संतुलन को सुधारने में मदद करते हैं। जहां फ्रिसबी टीम वर्क और सामंजस्य को बढ़ावा देता है, वहीं बैडमिंटन तेज प्रतिक्रिया क्षमता और मानसिक एकाग्रता को मजबूत करता है।

अगर आप परिवार या दोस्तों के साथ समय बिताना चाहते हैं और बाहर खेलने का मजा लेना चाहते हैं तो फ्रिसबी बेहतर विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आप व्यक्तिगत चुनौती पसंद करते हैं।

निर्णय लेने का तरीका

आपको यह तय करना होगा कि आपके लिए कौन सा खेल ज्यादा उपयुक्त है।

अगर आप टीम खेल पसंद करते हैं और बाहर खेलने का मजा लेना चाहते हैं तो फ्रिसबी आपके लिए बेहतर होगा, वहीं अगर आप व्यक्तिगत चुनौती चाहते हैं और तेज खेल का आनंद लेना चाहते हैं तो बैडमिंटन चुनें।

दोनों ही खेल आपके हाथ-आंख के संतुलन को सुधारने में मदद करेंगे, इसलिए अपने रुचियों और जरूरतों के अनुसार सही चयन करें।

श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया हलषष्ठी पर्व

कोरबा, (आरएनएस)। कटघोरा एवं आसपास क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ी संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप हुआ आयोजन,खराब मौसम भी नहीं डिगा माताओं का उत्साह के में माताओं द्वारा संतान की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना के साथ कमरछठ पर्व श्रद्धा,आस्था एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुरूप मनाया गया। वर्षा एवं खराब मौसम के बावजूद पर्व को लेकर माताओं एवं श्रद्धालुओं में उत्साह बना रहा और बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी सहभागिता निभाई। पर्व के अवसर पर प्रात:10 बजे के बाद से समूहवार पूजा-अर्चना का शुभारंभ किया गया।

महिलाओं ने पारंपरिक विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न की जिसमें सुबह से भैंस की दूध की व्यवस्था बिना हल चले हुए खेतों में छह प्रकार भाजी की व्यवस्था प्रसाद में महुआ लाई राहर दाना भैंस के दूध में पसहर के चावल से खीर बनाना भाजी सेंधा नमक से बना हुआ प्रसाद में उपयोग किया जाता है परिवार एवं संतान की दीर्घायु सुख-शांति और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए पीठ मे 7-7 बार ठप्पा लगाया जाता है इसी क्रम में गौतम गुड्डू रामसनेही महाराज के निवास पर उनकी माताजी के मार्गदर्शन में कमरछठ की कथा एवं सामूहिक आरती का आयोजन किया गया। माताओं एवं श्रद्धालुओं ने एकजुट होकर कथा का श्रवण किया और आरती में शामिल होकर पर्व की धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावना को आत्मसात किया।

खदान क्षेत्र के रास्ते में फिसलन, दो कर्मी घायल

कोरबा, (आरएनएस)। एसईसीएल दीपका खदान क्षेत्र में ड्यूटी जाने वाले मार्ग पर फैली कोयले की कीचड़ और फिसलन से कर्मचारियों की परेशानी बढ़ गई है। बुधवार दोपहर ड्यूटी जाते समय दीपका श्रमिक चैक से बेल्ट लाइन मार्ग पर भारी फिसलन के कारण डम्पर ऑपरेटर अमित सिंह और डम्पर ऑपरेटर संतोष गिरकर चोटिल हो गए।

कर्मचारियों के अनुसार मार्ग पर कोयला मिट्टी और पानी जमा होने से सडक बेहद फिसलन भरी हो गई है। इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में कोयला कर्मी अपने कार्यस्थल पर ड्यूटी के लिए आते-जाते हैं। ऐसे में लगातार फिसलन के कारण हादसे की आशंका बनी हुई है। कोल कर्मियों ने एसईसीएल दीपका प्रबंधन से मांग की है कि कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मार्ग पर तत्काल स्क्रैपर मशीन चलाकर कीचड़ और जमा सामग्री को साफ कराया जाए तथा रास्ते को आवागमन के लिए सुरक्षित बनाया जाए। कर्मचारियों का कहना है कि जल्द सुधार कराया जाए ताकि आगे अनहोनी रोकी जा सके।

घर से नाराज युवक ने कीटनाशक सेवन कर दी जान, खंडहर में मिला शव

कोरबा, (आरएनएस)। खंडहरनुमा एक मकान में युवक का शव मिला है। स्थानीय लोगों की सूचना पर आज सुबह कटघोरा पुलिस की टीम ने यहां पहुंचकर मुआयना किया। प्रारंभिक जानकारी में पता चला कि परिजनों से नाराजगी के चलते युवक घर से निकला था। कीटनाशक का सेवन कर उसने जान दी है। मर्ग पंचनामा की कार्यवाही की गई है।मृतक की पहचान अभिनय रजक पिता शंकर रजक के रूप में बताई गई है। कटघोरा के एएसआई चंद्रपाल खांडे जवानों के साथ मौके पर पहुंचे और परिस्थिति का जायजा लिया। बताया गया कि कटघोरा-बिलासपुर हाइवे पर सुतर्रा के पास आंछीदादर में एक मकान में उसका शव मिला। अत्यधिक गंध को आसपास के लोगों ने महसूस किया और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस की टीम ने पाया कि यहां से अत्यधिक सांद्रता वाले रसायनिक तत्व की गंध बनी हुई है।

नक्सलवाद के बाद अब बस्तर में विकास की नई इबारत लिखने का संकल्प : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि, बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि, चार दशकों तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे बस्तर में आज असंभव सा लगने वाला कार्य संभव हुआ है और नक्सलवाद का अंत हुआ है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद अब बस्तर तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए संकल्पित है।उन्होंने कहा कि, बस्तर क्षेत्र को देश का सबसे बेहतर आदिवासी संभाग बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि क्षेत्र के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं और अन्य क्षेत्रों में व्यापक विकास का लाभ पहुंचाया जाए।

ग्रामीण विकास को मिलेगी नई रफ्तार, रायगढ़ के गांवों में करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर कई विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य गांव के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। ग्रामीणों की जरूरतों और मांगों के अनुरूप शिक्षा, पेयजल, पंचायत अधोसंरचना, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

गोपी गीत में छलका गोपियों का कृष्ण-विरह, कंस वध के साथ रुक्मिणी विवाह प्रसंग ने बांधा श्रद्धालुओं को

गोपी गीत में छलका गोपियों का कृष्ण-विरह, कंस वध के साथ रुक्मिणी विवाह प्रसंग ने बांधा श्रद्धालुओं को

जगदलपुर, (आरएनएस)। पंजाब सनातन धर्म सभा, महिला सत्संग समिति एवं युवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में पंजाब भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन कथा व्यास आचार्य अमर कृष्ण शुक्ल ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर गोपी प्रेम, गोपी गीत, कंस वध तथा रुक्मिणी विवाह तक के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में भावविभोर नजर आए।आचार्य अमर कृष्ण शुक्ल ने गोपी गीत का प्रसंग सुनाते हुए भगवान श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों के निष्काम प्रेम और उनके विरह की व्यथा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि गोपियों के लिए श्रीकृष्ण केवल प्रियतम नहीं, बल्कि उनके जीवन के आधार और परम आराध्य थे। रासलीला के दौरान जब भगवान श्रीकृष्ण अंतर्धान हुए तो गोपियों का विरह और अधिक गहरा हो गया। वे भगवान को खोजते हुए उनकी लीलाओं और गुणों का स्मरण करने लगीं।आचार्य ने बताया किगोपियों के प्रेम में किसी प्रकार का स्वार्थ नहीं था। उनका मन, वचन और कर्म पूरी तरह कृष्णमय था। उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि सच्ची भक्ति में अहंकार, स्वार्थ और सांसारिक मोह का त्याग कर भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण आवश्यक है। कथा में आगे भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा गमन और कंस वध का प्रसंग सुनाया गया। आचार्य ने बताया कि कंस अपने भय, अहंकार और अत्याचार के कारण निरंतर अधर्म के मार्ग पर बढ़ता गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना से हजारों ग्रामीण परिवारों के जीवन में आई खुशियां

99 हजार 790 ग्रामीण परिवारों को मिला पक्का घर, सुरक्षित जीवन और बेहतर भविष्य की नींव

कवर्धा,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण केंद्र एवं राज्य शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के आवासहीन तथा कच्चे मकानों में जीवन यापन कर रहे परिवारों को मूलभूत सुविधाओं से युक्त पक्का एवं सुरक्षित आवास उपलब्ध कराना है, ताकि ग्रामीण परिवार सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन जी सकें। कबीरधाम जिले में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से हजारों ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। जिला प्रशासन और हितग्राहियों के सामूहिक प्रयासों से आवास निर्माण कार्य को गति मिली है।

वर्ष 2016 से 2023 तथा वर्ष 2024 से 2026 तक जिले को कुल 1,00,091 आवासों के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। इसके विरुद्ध 99,790 आवास स्वीकृत किए गए हैं। स्वीकृत आवासों में से अब तक 86,477 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इन आवासों में ग्रामीण परिवार गृह प्रवेश कर अपने पक्के घर में सुरक्षित एवं खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण केवल मकान निर्माण की योजना नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा, स्थायित्व और आत्मविश्वास लाने का सशक्त माध्यम बन रही है। आवास निर्माण का लक्ष्य और अभी तक पूरे हुए आवास की जानकारीवर्ष 2016 से 2023 के दौरान कबीरधाम जिले को 48 हजार 656 आवासों का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत 48 हजार 656 आवास स्वीकृत किए गए। इनमें से 48 हजार 634 हितग्राहियों को प्रथम किश्त, 48 हजार 61 हितग्राहियों को द्वितीय किश्त तथा 47 हजार 550 हितग्राहियों को तृतीय किश्त की राशि प्राप्त हो चुकी है। इस अवधि में 47 हजार 164 आवासों का निर्माण पूर्ण कराया गया है। इसी प्रकार वर्ष 2024 से 2026 के दौरान जिले को 51 हजार 435 आवासहीन ग्रामीण परिवारों के लिए आवास निर्माण का लक्ष्य मिला। इनमें से 51 हजार 134 आवास स्वीकृत किए गए हैं। अब तक 50 हजार 849 हितग्राहियों को प्रथम किश्त, 47 हजार 206 को द्वितीय किश्त तथा 37 हजार 496 हितग्राहियों को तृतीय किश्त की राशि जारी की जा चुकी है।

स्ट्रीट लाइट का पोल गिरा, पेड़ की टहनी टूटकर गिरने से हुआ हादसा

कोरबा,(आरएनएस)। शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग के पास आवासीय क्षेत्र की ओर जाने वाले मार्ग पर लगा स्ट्रीट लाइट पोल बीती रात धराशायी हो गया। बताया जा रहा है कि पास में लगे पेड़ की बड़ी टहनी टूटकर गिरने से यह स्थिति निर्मित हुई। गनीमत रही कि घटना के समय आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिससे जनहानि टल गई। नगर पालिका निगम द्वारा पिछले वर्ष रेलवे क्रॉसिंग से बायपास रोड कनेक्टिविटी तक रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था के लिए स्ट्रीट लाइट पोल लगाए गए थे। इसी व्यवस्था का एक पोल बीती रात अचानक गिर गया। सुबह स्थानीय लोगों ने सडक पर गिरे पोल और उसके पास पड़ी पेड़ की टूटी हुई टहनी को देखा, जिसके बाद घटना की जानकारी हुई।

स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश और तेज हवा के कारण पेड़ की भारी टहनी टूटकर स्ट्रीट लाइट पोल पर गिरी, जिससे पोल क्षतिग्रस्त होकर जमीन पर आ गया। लोगों ने राहत जताई कि इस दौरान कोई राहगीर इसकी चपेट में नहीं आया। मामले की जानकारी स्थानीय पार्षद को दी गई है, जिन्होंने नगर निगम को अवगत कराते हुए क्षतिग्रस्त पोल को जल्द हटाने और व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। लोगों ने यह भी चिंता जताई है कि यदि समय रहते क्षतिग्रस्त पोल को नहीं हटाया गया तो कबाड़ चोर गिरोह इसका फायदा उठा सकते हैं।

शक्कर के बढ़े दाम और बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदेश भर में चीनी सत्याग्रह

रायपुर। शक्कर के बढ़े दाम और राशन एवं खाद्य सामाग्री तेल आदि के बढ़े दामों और बेतहाशा महंगाई के खिलाफ शुक्रवार को कांग्रेस के द्वारा सभी जिलों में 'चीनी सत्याग्रह' किया गया। धरना प्रदर्शन कर महंगाई को भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों की विफलता बताया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, केंद्र सरकार की जनविरोधी नीति और बेतहाशा टैक्स वसूलने की नीति के कारण देश की जनता पर महंगाई की मार पड़ रही है। आम आदमी की रसोई से लेकर रोजमर्रा का बजट बिगड़ चुका है। मध्यम वर्ग का जीवन कठिन हो गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, मोदी सरकार ने 100 दिन में महंगाई पर लगाम लगाने का दावा किया था, आज उसी सरकार के कार्यकाल में आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ चुका है। शक्कर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस आज प्रदेशभर में चीनी सत्याग्रह के माध्यम से जनता की आवाज सरकार तक पहुंचा रही है।

खेल समाचार

पहली बार भारत और जापान के बीच खेला जाएगा टी20 इंटरनेशनल मुकाबला, बीसीसीआई ने किया ऐलान

नई दिल्ली(ए.)। भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के मौके पर इस महीने के आखिर में दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है।

'सुजुकी कप' नाम का यह मैच 22 सितंबर को तोचिगी प्रान्त के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। यह मैच 'स्पोर्ट 75' नाम की एक बड़ी द्विपक्षीय पहल की शुरुआत करने वाला मुख्य कार्यक्रम है। यह पहल जापानी प्रधानमंत्री सनाए तकाइची और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच शिखर सम्मेलन में हुए समझौते से शुरू हुई थी, जिसका मकसद खेलों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है।

शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा, बीसीसीआई इस ऐतिहासिक मौके का हिस्सा बनकर खुश है, क्योंकि भारत और जापान की पुरुष टीमें जापान में एक खास टी20 इंटरनेशनल मैच के लिए एक साथ आ रही हैं। यह क्रिकेट के लिए एक अहम पल है, क्योंकि इससे भारतीय टीम एक नई जगह पर जा रही है और जापान व पूर्वी एशिया में ज्यादा लोगों तक खेल को पहुंचाने का मौका मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, भारत और जापान के बीच मजबूत रिश्ते और लंबे समय से चली आ रही दोस्ती है। हमें खुशी है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के 75 साल पूरे होने के जश्न में क्रिकेट भी शामिल होगा। हम इस मैच को मुमकिन बनाने की कोशिशों के लिए जापान क्रिकेट एसोसिएशन (जेसीए) का शुक्रिया अदा करते हैं। सैकिया ने आगे कहा कि भारतीय बोर्ड गैर-पारंपरिक इलाकों में खेल के विस्तार की कोशिशों में मदद करने की अपनी जिम्मेदारी को समझता है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई का मानना है कि क्रिकेट का विकास इसके पारंपरिक इलाकों से आगे बढ़ना चाहिए, और दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बोर्ड के तौर पर हम उस विकास में योगदान देने की अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं। बीसीसीआई, जापान में क्रिकेट को और मजबूत करने और आने वाले वर्षों में इस रिश्ते को और आगे बढ़ाने के लिए जेसीए के साथ मिलकर काम करेगा। फैन्स की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आयोजक सानो वेन्यू की क्षमता को आमतौर पर 500 दर्शकों से बढ़ाकर 2,000 करने की योजना बना रहे हैं। जल्द ही आधिकारिक तौर पर टिकटों की बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक एशियन गेम्स के पुरुष इवेंट में खेलने के लिए जापान आ रही है।

जापान क्रिकेट एसोसिएशन के चीफ एग्जीक्यूटिव नाओकी मियाजी ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस के आने को स्थानीय स्तर पर इस खेल के लिए एक बड़ा बदलाव बताया। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियंस को जापान में क्रिकेट के लिए घर में बुलाना हमारी एसोसिएशन के लिए एक यादगार पल है। हम इस लक्ष्य को हासिल करने में हमारे साथ काम करने के लिए बीसीसीआई का शुक्रिया अदा करते हैं और भारतीय क्रिकेट फैंस के जोश का स्वागत करने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

चाइना मास्टर्सः किदांबी श्रीकांत का सफर खत्म, हांगकांग के ली चेउक यियू से हारे

शेन्जेन (ए.)। भारतीय स्टार किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स में सफर समाप्त हो गया। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हांगकांग के ली चेउक यियू से हार के साथ ही श्रीकांत टूर्नामेंट से बाहर हो गए। श्रीकांत को शेन्जेन एरिना में ली के हाथों 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत का तीन साल में यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 या उससे ऊपर के इवेंट में पहला क्वार्टर फाइनल था। श्रीकांत के बाहर होने के साथ ही भारत के पदक जीतने की एक और उम्मीद कहीं न कहीं टूट गई। ली के खिलाफ श्रीकांत की यह चौथी लगातार हार थी। भारतीय खिलाड़ी 2018 इंडिया ओपन के पहले राउंड में ली के खिलाफ एकमात्र जीत हासिल कर सके हैं। प्री-क्वार्टर में, श्रीकांत ने कनाडा के वर्ल्ड नंबर 9 और हाल ही में वर्ल्ड चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराकर हैरान कर दिया था। उन्होंने पहले राउंड में चीनी ताइपे के वर्ल्ड नंबर 21 ची यू-जेन को सिर्फ 35 मिनट में 21-16, 21-15 से हराया था।

बाद में, पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, जो 750 इवेंट में अकेली भारतीय चुनौती बची हैं, सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए डेनमार्क की जोड़ी किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन से भिड़ेंगी।भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव को 21-17, 22-24, 21-9 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।इसके पहले, बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का महिला एकल अभियान गुरुवार को तन्वी शर्मा के जापान की टोमोका मियाजाकी से 21-17, 18-21, 21-16 से हारने के बाद खत्म हो गया।

श्री चरणी ने दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ा, खतरे में पूनम यादव का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में खेले जा रहे एशिया कप में बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। लगातार 2 मैच जीतकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। ग्रुप स्टेज में टीम इंडिया को पाकिस्तान के खिलाफ एक और मैच खेलना है। गुरुवार को भारतीय टीम ने हांगकांग को 137 रनों से हराया। इस मैच में स्मृति मंधाना के विस्फोटक शतक के साथ ही श्री चरणी ने भी अपनी गेंदबाजी के खास उपलब्धि हासिल की।

भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 193 रन बनाए थे। हांगकांग 16.2 ओवर में 56 रन पर सिमट गई और 137 रन से हार गई। हांगकांग को 56 पर समेटने में श्री चरणी का अहम योगदान रहा।

बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 3.2 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा, दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट लिए, जबकि नंदिनी शर्मा और प्रेमा रावत को भी 2-2 विकेट लिए।

श्री चरणी ने 2 विकेट लेकर एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने के वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में दीप्ति शर्मा को पीछे छोड़ दिया। चरणी ने 2026 में अब तक 31 टी20 विकेट लिए है। दीप्ति शर्मा ने 2024 में 30 और 2022 में 29 विकेट लिए थे।

एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने का महिला भारतीय रिकॉर्ड पूनम यादव के नाम है। पूनम ने 2018 में 35 विकेट लिए थे। श्री चरणी के पास इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का भरपूर अवसर है। पूरी संभावना है कि जारी एशिया कप में ही चरणी एक साल में सर्वाधिक टी20 विकेट लेने वाली भारतीय महिला गेंदबाज होने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। हांगकांग के खिलाफ हुए इस मैच का मुख्य आकर्षण स्मृति मंधाना की शतकीय पारी रही।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग नर्मदापुरम

Office Email: ID eereshbd@gmail.com & eereshoshangabad@mp.gov.in

क्र./2117/निविदा /ग्रायांसे/2026 नर्मदापुरम, दिनांक 20/08/2026

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 13/2026-27

निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाइन निविदाये आमंत्रित की गई है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्य/योजना का नाम :- स्मार्ट फिश पार्लर निर्माण कार्य/मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना 2025-26

क्र.	सिस्टम टेण्डर नं.	संभाग का नाम	कार्य का नाम	निविदा की अनुमानित लागत	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित	निविदा क्रम
1	2	3	4	5	6	7	9	10
1	2026_RES_531248	नर्मदापुरम	स्मार्ट फिश पार्लर निर्माण कार्य हाट बाजार नदी रोड के पास डोलरिया जनपद पंचायत नर्मदापुरम	242764/-	4855/-	2000/-	3 माह	चतुर्थ
2	2026_RES_531249	नर्मदापुरम	स्मार्ट फिश पार्लर निर्माण कार्य पथरौटा जनपद पंचायत केसला	242764/-	4855/-	2000/-	3 माह	चतुर्थ
3	2026_RES_531250	नर्मदापुरम	स्मार्ट फिश पार्लर निर्माण कार्य सोहागपुर के पास ग्रामीण क्षेत्र जनपद पंचायत सोहागपुर	242764/-	4855/-	2000/-	3 माह	चतुर्थ
			कुल योग	728292/-	सात लाख अठ्ठाईस हजार दो सौ बानवे मात्र			

निविदा में निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की जाती है :-

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1	निविदा ऑनलाईन प्रकाशित होने की तिथि	07/09/2026	13:00 PM
2	निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय करने की प्रारंभ की तिथि	08/09/2026	10:00 AM
3	ऑनलाईन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	08/09/2026	10:00 AM
4	ऑनलाईन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	24/09/2026	13:00 PM
5	ऑनलाईन निविदा खुलने की तिथि	25/09/2026	13:00 PM

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन प्रकाशित किये जायेंगे। तथा किसी भी प्रकार के संशोधन/जानकारी ऑनलाईन ही सबमिट की जाएगी । समाचार पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जाएगा। निविदा शर्तें/प्रपत्र आदि की जानकारी के लिए पोर्टल पर देखें।

जी/18159/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग नर्मदापुरम

----शिक्षक दिवस पर विशेष---

87 वर्ष की आयु में भी आत्मनिर्भर हैं राष्ट्रपति पुरस्कार शिक्षक पं रामनारायण शर्मा

आज भी चलाते हैं स्कूटी, अपना भोजन स्वयं करते हैं तैयार

(बलराम शर्मा)

नर्मदापुरम। 34 वर्ष पूर्व तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षक पं रामनारायण शर्मा को राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड से दिल्ली में 1992-93 के शिक्षा सत्र के दौरान सम्मानित किया था। पं श्री शर्मा आज भी आत्मनिर्भर हैं। उनकी शिक्षक की यात्रा सोहागपुर क्षेत्र के कलमेशरा गांव की शाला से हुई थी। उसके बाद मारूपुरा, पिपरिया के आरएनए स्कूल नर्मदापुरम के एसपीएम स्कूल में अध्यापन के दौरान ही उन्हें राष्ट्रपति सम्मान से सम्मानित किया गया था। उसके बाद कन्या शाला में शिक्षक रहते हुए शैक्षणिक क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। इसी कारण उनका अनेक स्थानों पर सम्मान होता रहा है। उन्हें सरकार ने देहरादून भेजकर

दृष्टिबाधित बच्चों की पढाई के लिए प्रशिक्षण के लिए भेजा था। वहां से लौटकर उन्होंने ब्रेनलिपि से कई बच्चों की पढाई की। उन्होंने गायत्री परिवार से जुड़कर भी अनेक उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

जिसमें मंहगी शादी से बचाव के लिए आदर्श सामूहिक विवाह शुरू कराए थे। सैंकड़ों की संख्या में कन्याओं के बिवाह कराए। गायत्री परिवार के द्वारा नर्मदा तट पर गायत्री शक्ति पीठ की स्थापना कराने में भी उनका विशेष योगदान रहा। आज भी आवयकता पढ़ने पर स्वयं भोजन तैयार कर लेते हैं। प्रतिदिन 10-15 किलोमीटर स्कूटी चलाकर यात्रा करते हैं। बाजार से अपने आवश्यकता की वस्तुएं स्वयं खरीद लाते हैं। वे शिक्षकों के साथ अन्य नागरिकों के लिए प्रेरणा स्तोत्र है।

भक्ति भाव के साथ मनाया भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

दादा गुरु, विधायक डॉ शर्मा, सांसद नपाध्यक्ष कलेक्टर की उपस्थिति में हुआ आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र)। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव गई। वहीं मटकी फोड़ प्रतियोगिता ने भी श्रद्धालुओं में जन्माष्टमी पर्व को लेकर नर्मदापुरम जिले में श्रद्धा और खासा उत्साह भर दिया। राधा.कृष्ण के रूप में प्रस्तुत उत्साह का माहौल रहा। शहर में जगह.जगह भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित झांकियां चल समारोह भंडारे एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर नजर आए। जन्माष्टमी के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर नन्हे.मुन्ने बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण का वेश धारण कर उनकी बाल लीलाओं का मनमोहक प्रदर्शन किया। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। वहींए अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया।इसी क्रम में नर्मदापुरम के ग्वालटोली क्षेत्र में जन्माष्टमी पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। यहां स्थित प्राचीन काली मंदिर एवं राधा.कृष्ण मंदिर परिसर के समीप ग्वाल समाज द्वारा भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दादा गुरु महाराज नर्मदापुरम विधायक डॉक्टर सीतासरन शर्मा लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान दादा गुरु महाराज एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने मंदिर में विधि.विधान से पूजन.अर्चन कर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद लिया तथा जन्माष्टमी पर्व पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की। जन्मोत्सव के दौरान राधा.कृष्ण की वेशभूषा में कलाकारों द्वारा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी किए गए नृत्य और श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित झांकियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। दादा गुरु महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके संदेशों का स्मरण करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने मानव समाज को धर्म सत्य कर्तव्य और सेवा का मार्ग दिखाया है। श्रीकृष्ण का जीवन हमें प्रकृति गौ माता और समस्त जीव.जंतुओं के प्रति करुणा एवं संरक्षण की भावना रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति और परंपरा में विशेष स्थान रखती हैंए इसलिए गौ संरक्षण एवं गौ सेवा को प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। दादा गुरु महाराज ने तुलसी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तुलसी केवल धार्मिक दृष्टि से ही पूजनीय नहीं है बल्कि यह पर्यावरण और मानव जीवन के लिए भी अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में उमड़े श्रद्धालुओं ने राधा.कृष्ण की मनमोहक प्रस्तुतियों और जन्माष्टमी के उल्लासपूर्ण वातावरण का आनंद लिया। आयोजन के दौरान ऐसा भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ कि श्रद्धालुओं को नर्मदापुरम में ही मथुरा.वृंदावन की अनुभूति होती नजर आई।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर गायत्री परिवार ने किया यज्ञ, 24 हजार गायत्री मंत्रों का सामूहिक जाप

नर्मदापुरम (निप्र)। गायत्री परिवार नर्मदापुरम के तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित अरुण नारखेड़े के निवास पर 24 हजार गायत्री मंत्रों का सामूहिक जाप एवं एक कुण्डीय गायत्री यज्ञ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के परिजनों एवं कॉलोनीवासियों ने सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र का जाप किया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में विभिन्न आहुतियां समर्पित की गईं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित विशेष आहुतियां भी यज्ञ में अर्पित की गईं। ज्ञातव्य हो कि गायत्री परिवार नर्मदापुरम द्वारा 24 हजार गायत्री मंत्रों के सामूहिक जाप एवं एक कुण्डीय यज्ञ की श्रंखला लगातार चलाई जा रही है। इस श्रंखला के अंतर्गत अब तक 22 कार्यक्रम पूर्ण हो चुके हैं और यह अभियान निरंतर जारी है। कार्यक्रम में अरुण नारखेड़े, शैलजा नारखेड़े, परमानंद मालवीय, उमा मालवीय, रामकुमार सोनी, विनीता सोनी, संतोष यादव, आरती यादव, केशव मांगरोल, संध्या मांगरोल, जी.पी. पटेल, महेश ठाकुर, उमेश कुमार सिंह, शिव कुमार विश्वकर्मा, रामकुमार गौर, डोरीलाल यादव, मंगल सिंह यादव, शिवदयाल, तुलसीराम बाबरिया, धीरेन्द्र मालवीय, सुमन राजपूत, अन्नू झिंझोरे, अर्जुन यादव, राजकिशोर चौधरी, धीरज सिंह तोमर, रिंकी तोमर, संदीप शुक्ला, राजकुमारी, अनिल गौर, सोनू शुक्ला, सुनीता विलास सहित गायत्री परिवार के परिजन एवं कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com